www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 206 || अम्बेडकरनगर
रविवार
18 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:06
सूर्यास्तः 05:36
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 19°00



पेज 07

विशेष समाचार
दशहराः शौर्य, साधना एवं ... >>पेज 04
सीतापुर में कमर तक ... >>पेज 06
दावा- मुंबई में अजय देवगन...

यूपी में 'रूल ऑफ माफिया' मिटाकर स्थापित किया 'रूल ऑफ लॉ': मुख्यमंत्री

डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षांत समारोह में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

कानून की सबसे बड़ी पूंजी उसकी धाराएं नहीं, बल्कि आमजन का विश्वास है: सीएम योगी

एआई को सहायक बनाइए, सारथी नहीं, मशीन सुझाव दे सकती है, लेकिन अंतिम निर्णय मनुष्य के विवेक से होना चाहिए

सभी 75 जनपदों में साइबर थाने स्थापित

मुख्यमंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में साइबर थाने स्थापित किए गए हैं। प्रदेश के 1,583 थानों में साइबर हेल्प डेस्क की व्यवस्था की गई है। राज्य में फॉरेंसिक संस्थान भी स्थापित किया गया है। एआई प्रज्ञा कार्यक्रम के माध्यम से 10 लाख युवाओं को एआई, डेटा एनालिटिक्स और साइबर सिक्योरिटी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नए आपराधिक कानूनों में इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य को मान्यता दी गई है। सात वर्ष या उससे अधिक सजा वाले मामलों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य है। सीएम ने कहा कि एआई न्यायाधीश या विधिवेत्ता के विवेक का विकल्प नहीं हो सकता।



लॉ स्टूडेंट्स से योगी बोले- पहले 'रूल ऑफ माफिया' था माफिया का काफिला पास कराने के लिए जज को भी रोक दिया जाता था

सपा ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया दिया
परिवारवाद और वंशवाद पर भी साधा निशाना, शिक्षकों को 5 लाख रुपए तक कैशलेस इलाज

पहले यूपी को लेकर थी नकारात्मक धारणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश को लेकर यह धारणा थी कि यहां निवेश सुरक्षित नहीं है, कनेक्टिविटी कमजोर है और विकास की संभावनाएं सीमित हैं। सबको यही लगता था कि उत्तर प्रदेश नहीं सुधर सकता। इस सोच को बदलने के लिए इच्छाशक्ति और परिणाम देने वाली कार्ययोजना जरूरी थी। प्रदेश में कानून का राज स्थापित करना इसी परिवर्तन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमने प्रदेश को माफियाराज से मुक्त कर कानून का शासन स्थापित किया। पहले हाल यह था कि प्रयागराज के एक माफिया के सामने प्रशासनिक और संवैधानिक पदों से जुड़े लोगों के काफिले तक रुक जाते थे। लेकिन, अब कानून के राज में प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

कैंसर की 137 दवाओं पर मुनाफा 30% तय

मरीजों के 2500 करोड़ रुपए सालाना बचेंगे

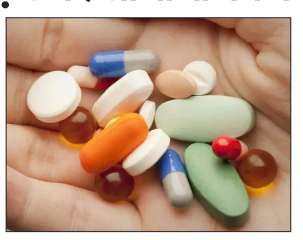
निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दवाओं की कीमत तय करने वाली नेशनल फॉर्मास्यूटिकल्स प्राइसिंग अथॉरिटी ने 137 नॉन-शेड्यूल्ड कैंसर दवाओं पर मुनाफा 30 फीसदी तय कर दिया है। यह फैसला 9 नवंबर से लागू होगा। इससे इन जीवनरक्षक दवाओं की रिटेल कीमतें मौजूदा कीमतों के आधार पर 70% तक घट सकती हैं। शनिवार को इस बारे में गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया।

दो दिन पहले केंद्र ने सुप्रीम कोर्ट में बताया था कि कैंसर दवाओं पर मुनाफे की सीमा 30 फीसदी तय करने से मरीजों को सालाना करीब 2,500 करोड़ रुपए की बचत होने की उम्मीद है। कीमतें कम करने की सिफारिश डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ हेल्थ सर्विसेज के तहत बनी विशेषज्ञ समिति ने की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)



- विशेषज्ञ समिति ने की थी सिफारिश
- कीमतों की जांच और निगरानी

योगी बोले- वे हार मान चुके हैं, सपा शिक्षा की घोषित दुश्मन, पैसे लेकर देती थी नौकरी

'एमएलसी चुनाव में चोर डकैत सेंधमारी करेंगे'

संबोधन

- विकसित भारत की पैरवी के लिए युवा विधिवेत्ताओं को सत्य, धर्म, निष्पक्षता और संवैधानिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने का आह्वान
- मुख्यमंत्री ने युवा विधिवेत्ताओं से कहा- फैसला इतिहास सुनाएगा, लेकिन बहस आपको करनी है

तमसा संकेत, संवाददाता

तमसा संकेत, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले माफियाराज का प्रभाव था, लेकिन अब प्रदेश में रूल ऑफ लॉ यानी कानून का राज स्थापित किया गया है। यही विकास, निवेश और आमजन के विश्वास की सबसे मजबूत नींव है। एक समय यूपी को बीमारू राज्यों की श्रेणी में रखा जाता था, निवेश तथा कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए जाते थे, लेकिन दृढ़ इच्छाशक्ति और प्रभावी कार्ययोजना से प्रदेश ने अपनी स्थिति बदली है। आज उत्तर प्रदेश देश की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और रेवेन्यू सरप्लस स्टेट के रूप में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री शनिवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, लखनऊ के पांचवें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने युवा विधि स्नातकों से कहा कि वे कानून को केवल धाराओं और मुकदमों तक सीमित न रखें, बल्कि आम नागरिक के विश्वास, अधिकारों की रक्षा और न्याय की सुलभता को अपने कार्य का आधार बनाएं। >> (शेष पेज 06 पर)





2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था का लक्ष्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2013 में भारत को दुनिया की पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिना जाता था, जबकि आज वह दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। इस बदलाव ने भारत के प्रति वैश्विक विश्वास को मजबूत किया है। इसी तरह यूपी को अब वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए विजन डॉक्यूमेंट जारी किया गया है और कार्ययोजना लागू की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि वर्ष 2029-30 तक यह लक्ष्य प्राप्त कर लिया जाएगा। कहा कि प्रदेश की आर्थिक प्रगति और विकास के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कानून के शासन, निष्पक्षता और आमजन के विश्वास को मजबूत बनाए रखना जरूरी है। पीड़ित को सम्मान देना और न्याय को सुलभ बनाना इस विश्वास के प्रमुख आधार हैं।

मुख्यमंत्री ने इस दीक्षांत समारोह को एक काल्पनिक मुकदमे के रूप में प्रस्तुत करते हुए कहा कि यदि 'विकसित भारत 2047' एक केस है, तो 140 करोड़ भारतीय उसके याची हैं और युवा विधिवेत्ता उनके अधिवक्ता हैं। इस मुकदमे में तथ्य, साक्ष्य, तर्क और ईमानदार पैरवी की आवश्यकता होगी। इसका प्रतिवादी कोई व्यक्ति या राजनीतिक दल नहीं, बल्कि वह यथास्थितिवादी सोच है, जो यह मानने को तैयार नहीं होती कि परिवर्तन संभव है।

बिना परीक्षा दिए जॉइनिंग लेटर पाते थे लोग

पिछली सरकार में परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों का चयन नहीं होता था, जबकि परीक्षा में शामिल हुए बिना ही कुछ लोग नियुक्ति पत्र लेकर नौकरी जॉइन कर लेते थे। पैसे देकर नौकरियां हासिल की जाती थीं। आयोग की एक भर्ती में SDM के 86 पदों में से 56 पर एक ही जाति के अभ्यर्थियों का चयन हुआ था। योगी ने आरोप लगाया कि सपा सरकार के दौरान माफिया का प्रभाव था और जमीनों पर कब्जे होते थे। उन्होंने कहा, "समाजवादी पार्टी ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया दिया, हमने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज दिया।"

कांग्रेस के पास एसआईआर के विरोध का अधिकार नहीं : डीएमके

दोनों पार्टियों के बीच विधानसभा चुनाव के बाद दूरी बनी

बैठक

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई । DMK सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए राजा ने SIR को लेकर कांग्रेस पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि डीएमके शुरुआत से SIR का विरोध कर रही है। कांग्रेस को DMK की आलोचना करने का नैतिक अधिकार नहीं है। राजा DMK संसदीय दल की बैठक के बाद चेन्नई में मीडिया से बात रह रहे थे। बैटक में पार्टी ने चार प्रस्ताव पास किए। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके बीच 22 साल (2004 से मई 2026 तक) से गठबंधन था। मई में विधानसभा चुनाव के बाद टूट गया। कांग्रेस ने विजय की पार्टी TVK को समर्थन दिया और मिलकर सरकार चला रहे हैं। राजा ने कहा कि DMK ने SIR लागू होने के समय से ही इसका विरोध किया है। पार्टी ने संसद के अंदर और बाहर कई कदम उठाए हैं। DMK का यह रुख अभी भी कायम है।

>> (शेष पेज 06 पर)



- राजा बोले- डीएमके ने शुरुआत से विरोध किया
- विधानसभा चुनाव के बाद टूट गया था गठबंधन

फास्ट न्यूज

आरएसएस महिला संगठन प्रमुख बोलीं- जंतर-मंतर प्रदर्शन अराजकता फैला रहे

नागपुर। RSS के महिला संगठन, राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख वी. शांताकुमारी ने जंतर-मंतर पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ये प्रदर्शन भारत में अस्थिरता पैदा कर रहे हैं ।

गिरावट मौसम

उत्तराखंड और हिमाचल में बर्फबारी से कड़ाके की ठंड

नई दिल्ली । हिमाचल में बारिश और बर्फबारी के बाद तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है। प्रदेश का औसत न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री नीचे और अधिकतम तापमान सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस नीचे चला गया है। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी होने से प्रदेश में ठंड बढ़ गई है। वहीं, प्रदेश में शनिवार सुबह का तापमान 9°C दर्ज किया गया, जबकि दो दिन पहले तक यह 17.7°C था।

राजस्थान में बारिश ने सुबह-शाम सर्दी बढ़ा दी है। मौसम बदलने से अधिकतम तापमान 6 डिग्री तक गिर गया है।

गुजरात के भरूच की दवा-फैक्ट्री में ब्लास्ट, 5 की मौत

भरूच । गुजरात के भरूच की सिंजील फार्माकेम नाम की एक दवा फैक्ट्री के रिएक्टर धमाके में 5 मजदूरों की मौत हो गई। वहीं, 6 लोग घायल हैं। धमाका इतना तेज था कि इसके तुरंत बाद फैक्ट्री में मिथाइल डाइक्लोराइड नाम की एक जहरीली गैस का रिसाव भी शुरू हो गया, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई।

गगनयान ने मॉड्यूल अलग करने का टेस्ट पास किया

इसरो का लक्ष्य- 2026 में लॉन्च हो पहला मानवरहित मिशन

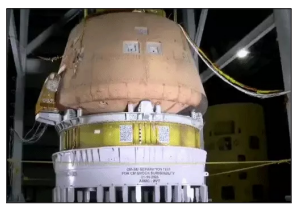
मिशन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। ISRO ने गगनयान कार्यक्रम के क्रू मॉड्यूल (CM) और सर्विस मॉड्यूल (SM) को अलग करने वाले सिस्टम की टेस्टिंग पूरी कर ली है। इसके बाद इस सिस्टम के डिजाइन की क्षमता की पुष्टि हुई है। ये परीक्षण तिरुवनंतपुरम स्थित विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (VSSC) में किए गए। गगनयान का पहला मानवरहित मिशन G1 साल 2026 में लॉन्च करने का लक्ष्य है। गगनयान का ऑर्बिटल मॉड्यूल क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल से मिलकर बना है। दोनों मॉड्यूल एक सेपरेट सिस्टम के जरिए जुड़े होते हैं। अंबिलिकल कनेक्शनों से इनके बीच बिजली और लिक्विड की सप्लाई होती है।

लॉन्च से पहले दोनों मॉड्यूल को एक साथ जोड़ा जाता है। मिशन के ऑर्बिट में रहने वाले चरण के खत्म होने तक ये एक यूनिट की तरह काम करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)



- गगनयान-जी1 की लॉन्चिंग अगले 2 महीनों में होने की उम्मीद

दीपके को 24 घंटे के अंदर जमानत

नेहा बोरा भी रिहा, एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस की 1 नवंबर को रैली, पुलिस से इजाजत मिली

रिहाई

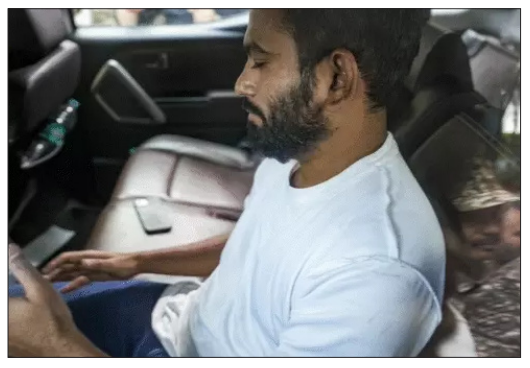
- अभिजीत दीपके की लीगल टीम मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंची
- कनॉट प्लेस, संसद मार्ग और जंतर-मंतर पर बैरिकेडिंग जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

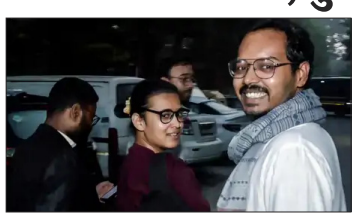
नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपए का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था।

8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे। वहीं नेहा बोरा को भी शनिवार को रिहा कर दिया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)



अभिजीत दीपके को जमानत मिलने के बाद रिहा कर दिया गया।



नेहा बोरा को शनिवार सुबह ही रिहा कर दिया गया। उन्हें शुक्रवार को मंडी हाउस से हिरासत में लिया गया था।

महिला संगठनों ने पुलिस कार्रवाई के खिलाफ मार्च निकाला

ऑल इंडिया महिला सांस्कृतिक संगठन, क्रांतिकारी युवा संगठन और अन्य संगठनों ने दिल्ली में हालिया प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की कार्रवाई के विरोध में मार्च निकाला। प्रदर्शनकारी मार्च करते हुए दिल्ली पुलिस मुख्यालय पहुंचे।

सरकार ने पोर्टल बनाया, जुलाई में हुए प्रदर्शन से जुड़ी शिकायत दर्ज करा सकेंगे

गृह मंत्रालय के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने जुलाई 2026 में जंतर-मंतर और दिल्ली के बाहर हुई हिंसा से जुड़ी घटनाओं के सभी पहलुओं की जांच के लिए हाई पावर्ड इंक्वायरी कमेटी का गठन किया था। प्रभावित लोगों की सुविधा के लिए HPEC ने एक पोर्टल शुरू किया है। पोर्टल को इस तरह तैयार किया गया है कि संवेदनशील मामलों में प्रभावित लोगों की पहचान गोपनीय रखी जा सके और उनकी इच्छा के अनुसार पहचान सार्वजनिक न हो। प्रभावित लोगों और अन्य संबंधित पक्षों से अपील की गई है कि वे पोर्टल पर जाकर तय फॉर्मेट के अनुसार अपनी शिकायतें या प्रतिनिधित्व अपलोड करें।

संबोधन : एनएलएसयूआई समारोह में शामिल, 3 महीने पहले यहां के लॉ स्टूडेंट्स ने विरोध किया था

असहमति के साथ सम्मान जरूरी : सीजेआई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने शनिवार को लॉ स्टूडेंट से कहा कि आप किसी के साथ असहमत हो सकते हैं लेकिन उसकी गरिमा बनाए रखें। कोई भी फैसला देने से पहले सामने वाले को भी सुनें। CJI नेशनल लॉ स्कूल ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के 34वें एनुअल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए थे। CJI ने कहा कि कानूनी शिक्षा सिर्फ एकेडमिक नॉलेज तक सीमित नहीं होनी चाहिए। छात्रों को अलग-अलग विचारों को समझना जरूरी है। इससे पहले यूनिवर्सिटी के 700 से ज्यादा मौजूदा और पूर्व छात्रों ने CJI सूर्यकांत को दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति जताई थी। इसके चलते 27 अगस्त को यूनिवर्सिटी ने 12 सितंबर को होना वाला दीक्षांत समारोह रद्द कर दिया था। हालांकि, पिछले महीने यूनिवर्सिटी ने दीक्षांत समारोह रद्द करने का अपना फैसला वापस ले लिया। विवाद बढ़कर BCI तक पहुंचा। BCI ने कुछ समय के लिए 2026 के NALSAR ग्रेजुएट्स के रजिस्ट्रेशन पर रोक लगाने का निर्देश दिया। हालांकि इसे वापस ले लिया गया। >> (शेष पेज 06 पर)



सीजेआई ने कहा- प्रोफेशनल लाइफ में शॉर्टकट नहीं होता

कानूनी शिक्षा का उद्देश्य केवल आपराधिक या संवैधानिक कानून के सिद्धांतों को सीखना नहीं है। इसका मकसद ऐसे लोगों से संवाद करने का अनुभव हासिल करना भी है, जो दुनिया को हमसे अलग नजरिए से देखते हैं। कानून और न्यायिक फैसलों का ज्ञान ही पर्याप्त नहीं है। न्याय के लिए खड़े होने का साहस और अनसुनी आवाजों की चिंताओं को सुनने की विनम्रता भी जरूरी है। समाज में योगदान देने की भी जरूरत है: छात्रों को अपने सिद्धांतों से समझौता करने और प्रोफेशनल लाइफ में शॉर्टकट से बचना चाहिए। कानूनी पेशे के जरिए अन्याय को दूर करने, व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा करने और संविधान को बनाए रखने से वकीलों को संतुष्टि मिल सकती है। राष्ट्र हमसे सिर्फ कानून के पेशेवर के तौर पर नहीं, बल्कि समाज में योगदान देने की भी उम्मीद करता है।

एनएएलएसएआर हैदराबाद, छात्रों ने विरोध में लेटर लिखा

कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के बाद चीफ जस्टिस सूर्यकांत का विरोध लॉ यूनिवर्सिटीज में शुरू हुआ था। इसकी शुरुआत NALSAR हैदराबाद से हुई थी। यहां करीब 1,400 छात्र पढ़ते हैं। करीब 450 छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन को पत्र लिखकर CJI को चीफ गेस्ट बनाने का न्योता वापस लेने की मांग की थी। समारोह की तारीख तय नहीं हुई थी। NALSAR, हैदराबाद के छात्रों ने CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि बनाए जाने का विरोध किया।

कश्मीर के कुपवाड़ा में 2 आतंकी मारे गए

एलओसी के पास सुबह साढ़े 3 बजे शुरू हुई मुठभेड़

मुठभेड़

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर । कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में लाइन ऑफ कंट्रोल के पास शनिवार सुबह आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक दो आतंकी मारे गए हैं। पहले इस घटना को घुसपैठ की कोशिश से जोड़कर देखा जा रहा था, लेकिन अधिकारियों ने बताया कि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि आतंकी घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे या नहीं। सेना के मुताबिक, कुपवाड़ा स्थित केरन सेक्टर के जुमागुंड इलाके में शनिवार सुबह करीब 3:30 बजे सुरक्षाबलों ने संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद दोनों तरफ से फायरिंग शुरू हो गई। सर्च ऑपरेशन अभी जारी है। 12 अक्टूबर को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में LoC के पास कृष्णा घाटी सेक्टर से जुड़े इलाके में धमाका हुआ।

>> (शेष पेज 06 पर)



- केरन सेक्टर में सुरक्षाबलों का सर्च ऑपरेशन

पड़ोसी बोले- प्रॉपर्टी विवाद था, सास ने नूडल्स बनाए, इसमें जहर होने का शक

घर में पति-पत्नी तीन बच्चों की लाश मिलीं

घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। यूपी में ग्रेटर नोएडा के नंगला श्रीपदम गांव में शनिवार को एक घर में पति-पत्नी और उनके 3 बच्चों की लाश मिली। सुबह काफी देर तक परिवार नहीं उठा तो पड़ोसियों को शक हुआ। दरवाजा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो पांचों बिस्तर पर पड़े थे। एक के मुंह से झाग निकल रहा था। पुलिस घर पहुंची तो पिता बेटे से लिपटे हुए चारपाई पर मृत मिले। दूसरे बिस्तर पर मां छोटे बेटे और बेटी से लिपटी हुई थीं। मृतकों की पहचान महेश (37), पत्नी ललिता (35), बेटे लड्डू (11), साक्षत (3) और बेटी मिष्टी (7) के रूप में हुई है। डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से पता चलेगी। वहीं, पड़ोसियों का आरोप है कि प्रॉपर्टी को लेकर महेश का अपनी मां से अक्सर झगड़ा होता था। मां कहती थी कि सब कुछ बेटी और दामाद के नाम कर देंगी। पड़ोसियों ने मां पर नूडल्स में जहर मिलाकर देने का भी आरोप लगाया। घटनास्थल जेवर एयरपोर्ट से 6 किमी और जिला मुख्यालय से 30 किमी दूर है। पुलिस ने



रात में खाना खाकर सो गए, सुबह उठे नहीं

मां चंदो ने बताया- महेश और बाकी लोगों ने शुक्रवार रात करीब 10 बजे नूडल्स खाए। फिर सभी सोने चले गए। मेरी तबीयत ठीक नहीं थी, इसलिए मैंने नूडल्स नहीं खाए। महेश रोज सुबह जल्दी उठता था, शनिवार को काफी देर तक नहीं उठा तो शक हुआ। महेश की भाभी नीरज ने बताया- मेरा आदमी खत्म हुआ, तो मुझे घर से भगा दिया। मेरी 14 साल की लड़की है। उसे भी साथ नहीं रखा। मैं उसे लेकर किराए के घर में रहती हूं। महेश ने कहा था कि भाभी, तू टाइम काट ले, कुछ दिनों की बात है। देवर कहता था कि मेरा भाई चला गया। मैं हिस्सा नहीं मारूंगा। मैं हर चीज में हक दूंगा। हमेशा सास बेटियों के लिए लड़ती रहती है। मेरे देवर-देवरानी बहुत अच्छे थे। मेरी ननदों को सजा मिलनी चाहिए। हमें हमारा हक मिलना चाहिए।

पड़ोसियों से पूछताछ के आधार पर बताया कि परिवार में प्रॉपर्टी को लेकर झगड़ा चल रहा था। महेश एक कंपनी में काम कर घर का खर्च चलाता था। परिवार में मां, पत्नी और बच्चे थे। 3 बहनों की शादी हो चुकी है। बड़े भाई ने 4 साल पहले ट्रेन के सामने कूदकर सुसाइड कर लिया था। तभी से भाभी बच्चों के साथ अलग रहती हैं। महेश के साले सोनू ने बताया- जीजा की मां का मायका रबूपुरा में है। उन्हें पति के अलावा मायके से भी काफी प्रॉपर्टी मिली है। दिल्ली की सारी प्रॉपर्टी, रबूपुरा का मकान और खेती की जमीन वह अपनी तीनों बेटियों के नाम कर चुकी



हैं। इस बीच खेती की जमीन पर सरकार से मुआवजा मिला। इस पैसे से 2017 में महेश की शादी के बाद रबूपुरा में एक मकान बनवाया। महेश पत्नी के साथ यहीं रहने लगे। एक साल पहले उनकी मां भी यहां आ गईं। उन्होंने यह मकान भी अपनी बेटियों के नाम कर दिया। हो सकता है कि इसी को लेकर जीजा और दीदी तनाव में रह रहे हों या कोई उन्हें नुकसान पहुंचाना चाह रहा हो।

गोरखपुर में 20 इंस्पेक्टर दरोगा को मिली नई तैनाती

पुलिस लाइन से थानों पर भेजे गए 12 उपनिरीक्षक

तमसा संकेत, एजेंसी



गोरखपुर । गोरखपुर एसएसपी के आदेश पर 20 निरीक्षक और उपनिरीक्षकों का तत्काल प्रभाव से तबादला कर दिया गया है। सभी को निर्देश दिया गया है कि वे तत्काल अपने नवीन तैनाती स्थल पर जाकर कार्यभार ग्रहण करें। तबादला सूची में DCRB, पुलिस लाइन, PRO, सोशल मीडिया और थानों में तैनात पुलिसकर्मी शामिल हैं। शुक्रवार की देर रात करीब 3 बजे तबादला की सूची जारी की गई।

आदेश के मुताबिक निरीक्षक विजय कुमार सिंह को DCRB से डायल 112 में भेजा गया है। उपनिरीक्षक आनन्द कुमार गुप्ता को पुलिस लाइन से थाना गुलरिहा और उपनिरीक्षक राजू रंजन सिंह को थाना चौरीचौरा से चौकी प्रभारी गोबड़ौर, थाना झंगहा बनाया गया है। उपनिरीक्षक रंजीत रंजन को थाना तिवारीपुर से चौकी प्रभारी डोमिनगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है। उपनिरीक्षक ओमप्रकाश गुप्ता को पीआरओ से थाना शाहपुर भेजा गया है। पुलिस लाइन से 12 उपनिरीक्षकों को अलग-अलग थानों पर तैनाती दी गई है। इसमें उपनिरीक्षक सोनू कुमार को थाना गीडा, आशुतोष सिंह को थाना बेलीपार, अंजनी कुमार तिवारी को थाना चिलुआताल, संतोष कुमार यादव को थाना गगहा, उमेश कुमार यादव को थाना बेलीपार, अविनाश कुमार सिंह को थाना गोला, विनय कुमार सिंह को थाना पिपराइच, उमेश सिंह यादव को थाना पीपीगंज, उमेश चन्द्र शुक्ला को थाना पीपीगंज, वीरेन्द्र सिंह यादव को थाना गगहा, दीपक कुमार गुप्ता को थाना कैंपियरगंज भेजा गया है।

फास्ट न्यूज

बीएचयू में पीडीए यूथ मीटअप

वाराणसी। वाराणसी में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के केंद्रीय ग्रंथालय हॉल में समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अंकुर पाण्डेय के नेतृत्व में पीडीए यूथ मीटअप आयोजित किया गया। इसमें शिक्षा, बेरोजगारी, पेपर लीक, सामाजिक न्याय और प्रदेश के विकास से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। अंकुर पाण्डेय ने कहा कि युवाओं को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ रोजगार के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए।

राजू के मकान से नीले ड्रम में बारूद मिला

वाराणसी । वाराणसी के सारनाथ थानाक्षेत्र के पंचकोसी इलाके पैगंबरपुर में गुरूवार की शाम पटाखा फैक्ट्री में धमाके से तीन मंजिला मकान जमींदोज हो गया था। इसमें दो लोग घायल और दो लोग लापता हैं। जबकि पटाखा फैक्ट्री का संचालक राजू खान पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हुआ है। पुलिस ने उससे पूछताछ के आधार पर आज टूटे हुए मकान की तलाशी ली। इस मकान की बची हुई छत पर रखे नीले ड्रम से पुलिस ने कई किलो बारूद बरामद किया है। जिसे कई बोरियों में डालकर राजू ने ड्रम में छुपा रखा था। वहीं राजू खान के घर के सामने स्थित चन्द्रकला विश्वकर्मा और अजय कुमार केसरी के मकान सबसे अधिक क्षतिग्रस्त हुए हैं।

1 इंच की सोने की मूर्तियों ने किया हैरान

गोरखपुर । गोरखपुर में ऐश्रा के एग्जीबिशन में 1 इंच की सोने की मूर्तियां आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। इसे पहली बार साऊथ से मंगवाया गया है। डायरेक्टर अनूप सराफ ने बताया कि इन मूर्तियों की खासियत यह है कि ये बहुत ही लाइट वेट हैं। जिसकी वजह से रेट कम है। कोई भी बड़ी आसानी से खरीद सकता है। साथ ही इसमें बहुत ही बारीकी से काम किया गया है।

सर्पदंश से बिगड़ी महिला की हालत सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर

तमसा संकेत, संवाददाता

समय पर पहुंची एंबुलेंस, ईएमटी और पायलट ने प्राथमिक उपचार देते हुए महिला को पहुंचाया जिला अस्पताल

सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के रिछली गांव में शौच के लिए गई एक महिला को सर्प ने डस लिया। सर्पदंश के बाद महिला की हालत बिगड़ने लगी, जिससे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। परिजन आनन-फानन में महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सूरतगंज लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार करने के बाद महिला की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

जानकारी के अनुसार, रिछली गांव निवासी संदीप कुमार की पत्नी अंशिका शौच के लिए गई थीं। इसी दौरान उन्हें सर्प ने डस लिया। कुछ ही देर में उनकी हालत बिगड़ने लगी। महिला की स्थिति को देखते हुए परिजन बिना देर किए उन्हें



सीएचसी सूरतगंज ले पहुंचे। अस्पताल में मौजूद चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल भेजने की सलाह दी गई। महिला को जिला अस्पताल ले जाने के लिए सूचना मिलने पर एंबुलेंस यूपी 32 एफजी 0685 तत्काल मौके पर पहुंची। एंबुलेंस के ईएमटी संदीप कुमार और पायलट अनूप कुमार ने मरीज को एंबुलेंस में शिफ्ट कराते हुए आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया और बिना देरी किए जिला अस्पताल पहुंचाया, ताकि महिला को आगे का उपचार मिल सके।

मुश्किल समय में एंबुलेंस कर्मियों की तत्परता और सहयोग से महिला को समय पर जिला अस्पताल पहुंचाने में मदद मिली। इस पर परिजनों ने ईएमटी संदीप कुमार और पायलट अनूप कुमार की सराहना की।

प्रयागराज में अस्थि विसर्जन करने आए लोग बाल-बाल बचे, कूदकर जान बचाई

चलती कार में लगी आग

तमसा संकेत, संवाददाता



सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास किया। हालांकि, दमकल कर्मियों के पहुंचने तक कार लगभग पूरी तरह जल चुकी थी।

प्रयागराज । प्रयागराज के नैनी क्षेत्र के लेप्रोसी चौराहे पर शुक्रवार देर रात चलती कार में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते करीब 5 मिनट के अंदर आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और कार धू-धूकर जलने लगी।

घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कार में सवार सभी लोग समय रहते बाहर निकल आए और सुरक्षित बच गए। हादसे के कारण नैनी पुल पर कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित हुआ। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप ले लिया और पूरी कार जलने लगी। सड़क पर वाहन को जलता देख आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। घटना की सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई।

चलती कार में आग लगने के बाद सड़क पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हुई। नैनी पुल पर कुछ देर के लिए जाम की स्थिति बन गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और यातायात सुचारु कराने का प्रयास किया। राहत की बात रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की शुरुआती जांच कर रही है।



अस्थि विसर्जन के लिए मध्य प्रदेश से आए थे लोग

जानकारी के मुताबिक, कार का नंबर MPZF 3599 बताया जा रहा है। कार सवार लोग मध्य प्रदेश से अस्थि विसर्जन के लिए प्रयागराज आए थे। शुक्रवार देर रात जब उनकी कार नैनी पुल के पास लेप्रोसी चौराहे पर पहुंची, तभी अचानक उसमें आग लग गई।

चश्मदीदों के मुताबिक, पहले गाड़ी की टंकी के पास आग दिखाई दी। इसके बाद तेज धमाके के साथ आग तेजी से फैल गई। कार में आग की लपटें उठती देख उसमें सवार लोग घबरा गए और आनन-फानन में बाहर निकल आए।

पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर हादसा

इंजीनियर और पिता की मौत, शादी में शामिल होने मऊ जा रहे थे, पत्नी-बेटी समेत 3 घायल

दुर्घटना

आजमगढ़, एजेंसी

आजमगढ़ में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसे में इंजीनियर और उसके पिता की मौत हो गई। मां, बहन और भाई गंभीर घायल हैं। तेज रफ्तार कार अचानक डिवाइडर से टकराई और पूरी लेन को क्रास करते हुए दूसरी तरफ सड़क के किनारे गिर गई।

शुक्रवार सुबह 10 बजे हुए हादसे का CCTV शनिवार को सामने आया। कार की स्पीड 110 से 120 के बीच बताई जा रही है। हादसा जिला मुख्यालय से 18 किमी दूर तहबरपुर क्षेत्र के ओहनी गांव के पास हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस घायलों को अस्पताल ले गई।

डॉक्टर्स ने शादाब (52) और





दिल्ली में सिविल इंजीनियर थे। जामिया नगर की हाजी कॉलोनी में परिवार के साथ रहते थे। माना जा रहा है कि ड्राइवर को नींद की झपकी आने के कारण हादसा हुआ।

उनके पिता खुर्शीद अहमद (83) को मृत घोषित कर दिया। पत्नी आसमां बानो (45), बेटी मायरा (15) और बेटा अदनान अहमद (9) घायल है। शादाब मूलरूप से मऊ के घोसी थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव में रहने वाले थे।

रिश्तेदार की शादी में शामिल होने जा रहा था परिवार

शादाब का परिवार रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए कार से दिल्ली से अपने गांव सुल्तानपुर जा रहा था। तेज रफ्तार होने की वजह से कार पहले दाहिनी ओर डिवाइडर से टकराई और फिर उसी लेन में बाईं ओर जाकर पलट गई।

यूपी चुनाव से पहले वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने का मौका

बाराबंकी। यूपी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का एक और मौका मिला है। चुनाव आयोग के निर्देश पर शनिवार 3:00 बजे को सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप लगाए गए। ये कैंप सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक चले। इन कैंपों में पहली बार वोटर बनने वाले युवाओं और छूटे नागरिकों ने आवेदन किया। इसका मकसद वोटर लिस्ट में ज्यादा से ज्यादा नाम दर्ज कराना है। अगला विशेष कैंप 24 अक्टूबर को लगेगा। बाराबंकी के राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) में भी कैंप लगा। हर मतदान केंद्र पर बीएलओ मौजूद थे। उन्होंने नाम जुड़वाने के इच्छुक नागरिकों को फॉर्म-6 दिए और प्रक्रिया समझाई।

बीएलओ राजेश मिश्रा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य छूटे हुए पात्र नागरिकों और पहली बार वोटर बनने वाले युवाओं के नाम सूची में शामिल करना है। आवेदन के लिए फॉर्म-6 के साथ नई फोटो, जन्मतिथि और पते से जुड़े जरूरी कागजात देने होंगे।

वाराणसी के अपर पुलिस आयुक्त किरिट हरिभाई राठौड़ बने

तमसा संकेत, एजेंसी



लखनऊ में डीआईजी, पीएसी सेक्टर के पद पर दर्ज है। उन्हें 2023 में पुलिस महानिदेशक की ओर से सिल्वर और गोल्ड प्रशंसा डिस्क भी मिली थी।

सितंबर 2025 में राठौड़ उस समय चर्चा में आए थे, जब एक साइबर ठग ने उनके सरकारी सीयूजी नंबर पर फोन कर खुद को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम थाने का पुलिस अधिकारी बताया था। रिपोर्ट के अनुसार, कॉलर ने उनके नंबर से आतंकियों से बातचीत किए जाने का आरोप लगाकर डराने की कोशिश की। राठौड़ ने इसे साइबर ठगी की कोशिश समझते हुए लखनऊ के महानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

नियुक्ति : 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं, लखनऊ में डीआईजी पीएसी पद पर तैनात थे

वाराणसी के अपर पुलिस आयुक्त किरिट हरिभाई राठौड़ बने

तमसा संकेत, एजेंसी



वाराणसी । वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस आयुक्त के पद पर 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी किरिट हरिभाई राठौड़ की नियुक्ति की गई है। वह अभी लखनऊ में डीआईजी, पीएसी सेक्टर के पद पर तैनात हैं। राठौड़ ने सिविल इंजीनियरिंग में बीई और ट्रांसपोर्टेशन इंजीनियरिंग में एमई की डिग्री हासिल की है।

राठौड़ इससे पहले पुलिस अधीक्षक, पीलीभीत के पद पर तैनात रहे हैं। मार्च 2021 में हुए आईपीएस अधिकारियों के फेरबदल में उन्हें पीलीभीत का एसपी बनाया गया था। इसके बाद जुलाई 2023 में उन्हें लखनऊ में पीएसी की 35वीं वाहिनी का सेनानायक नियुक्त किया गया। उस समय वह पुलिस मुख्यालय में एसपी, क्राइम के पद पर कार्यरत थे। उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक रिकॉर्ड के मुताबिक, 30 जनवरी 2024 से उनकी तैनाती लखनऊ में डीआईजी, पीएसी सेक्टर के पद पर दर्ज है। उन्हें 2023 में पुलिस महानिदेशक की ओर से सिल्वर और गोल्ड प्रशंसा डिस्क भी मिली थी। सितंबर 2025 में राठौड़ उस समय चर्चा में आए थे, जब एक साइबर ठग ने उनके सरकारी सीयूजी नंबर पर फोन कर खुद को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम थाने का पुलिस अधिकारी बताया था। रिपोर्ट के अनुसार, कॉलर ने उनके नंबर से आतंकियों से बातचीत किए जाने का आरोप लगाकर डराने की कोशिश की। राठौड़ ने इसे साइबर ठगी की कोशिश समझते हुए लखनऊ के महानगर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी।

2010 में आईपीएस सेवा में हुए शामिल

किरिट कुमार हरिभाई राठौड़ उत्तर प्रदेश कैडर के 2010 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, उनकी भर्ती 20 दिसंबर 2010 को हुई थी। उनका गृह स्थान गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले में दर्ज है। वह 1 जनवरी 2024 को डीआईजी रैंक पर पदोन्नत हुए थे।

गोरखपुर पुलिस लाइन में एसएसपी ने दी श्रद्धांजलि

गोरखपुर । गोरखपुर में शुक्रवार को एक सिपाही की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। इस हादसे के बाद शनिवार को पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मृति स्थल पर एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जहां SSP सहित अन्य अधिकारियों ने दिवंगत सिपाही के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

SSP ने सिपाही की सेवा और कर्तव्यनिष्ठा को याद करते हुए उनके परिवार के प्रति गहरी संवेदना जाहिर की। उन्होंने परिजनों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस कठिन घड़ी में पूरी गोरखपुर पुलिस उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। इस दौरान पुलिस अधीक्षक उत्तरी, पुलिस अधीक्षक अपराध, क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक सहित भारी संख्या में पुलिस अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों और जवानों ने दो मिनट का मौन रखकर अपने जांबाज साथी को अंतिम नमन किया।

अज्ञात वैगनआर कार की टक्कर से बाइक सवार गंभीर जिला अस्पताल रेफर

सूरतगंज के रामनगर रोड स्थित टेंपो स्टैंड के पास हुआ हादसा

तमसा संकेत, संवाददाता



सूरतगंज (बाराबंकी)। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के सूरतगंज कस्बे में रामनगर रोड स्थित टेंपो स्टैंड के पास शनिवार दोपहर बाद एक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि अज्ञात वैगनआर कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते डायल 108 एम्बुलेंस सूचना दी जिसे आनन फानन घायल को सीएचसी सूरतगंज पहुंचाया पर डॉक्टरों ने गंभीर चोटें देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जानकारी के अनुसार, मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र अंदीपुर गांव निवासी कलीम (35) पुत्र मुमताज शनिवार दोपहर बाद घर से कुछ सामान लेने के लिए बाइक से निकले थे। इसी दौरान सूरतगंज में रामनगर रोड स्थित टेंपो स्टैंड के पास एक अज्ञात वैगनआर कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से कलीम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद कार चालक रुकने के बजाय कार लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों ने घायल कलीम की मदद की और 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। एंबुलेंस की सहायता से उन्हें सूरतगंज अस्पताल पहुंचाया गया। वहां मौजूद चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घायल की गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने बेहतर उपचार के लिए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

अब अंबेडकरनगर का अपना डाक मंडल

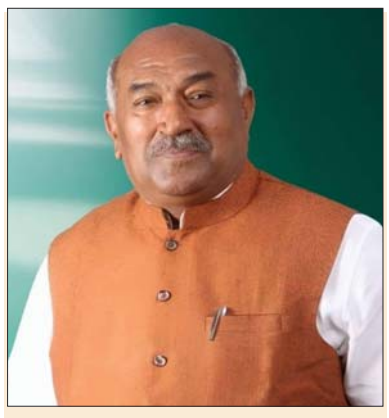
केंद्र सरकार ने अयोध्या डाक मंडल के विभाजन को दी मंजूरी, अकबरपुर में खुलेगा नया मंडलीय कार्यालय

आदेश

- नए मंडल के गठन से जिले के 371 डाकघरों के प्रशासनिक संचालन के लिए अलग व्यवस्था तैयार होगी। अब कार्यालय के संचालन और विभागीय व्यवस्था को आगे बढ़ाने की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में डाक सेवाओं के विस्तार और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में अहम कदम उठाया गया है। केंद्र सरकार ने अयोध्या डाक मंडल का विभाजन कर स्वतंत्र अंबेडकर-नगर डाक मंडल बनाने को मंजूरी दे दी है। संचार मंत्रालय के डाक विभाग ने को



371 डाकघरों के संचालन को मिलेगी नई पहचान

ग्रामीण डाक सेवाओं और प्रशासनिक कामकाज को स्थानीय स्तर पर मजबूती मिलने की उम्मीद

> नवगठित अंबेडकरनगर डाक मंडल के अधीन चार डाक उपमंडल, एक प्रधान डाकघर, 36 उपडाकघर और 334 शाखा डाकघर होंगे। इस तरह कुल 371 डाकघर नए मंडल के दायरे में आएंगे। इससे शहरी क्षेत्रों के साथ ग्रामीण इलाकों में फैले डाक नेटवर्क की निगरानी एक ही मंडलीय व्यवस्था के तहत की जा सकेगी।

डाक, पार्सल और वित्तीय सेवाओं को मिलेगा संबल

स्वतंत्र मंडल बनने से स्पीड पोस्ट, रजिस्टर्ड डाक और पार्सल वितरण की निगरानी को बेहतर बनाने में मदद मिल सकती है। डाकघर बचत योजनाओं, सुकन्या समृद्धि योजना, डाक जीवन बीमा, ग्रामीण डाक जीवन बीमा और इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक से जुड़ी सेवाओं के संचालन को भी मजबूती मिलने की संभावना है। इसका लाभ ग्रामीण क्षेत्रों के ग्राहकों, किसानों, महिलाओं, व्यापारियों और पेंशनभोगियों तक पहुंच सकता है।

अकबरपुर में खुलेगा नया कार्यालय

नए मंडल का कार्यालय अकबरपुर प्रधान डाकघर के निकट बीएसएनएल के किराये के भवन में शुरू होगा। जिला मुख्यालय पर मंडलीय कार्यालय स्थापित होने से डाक विभाग के प्रशासनिक कार्यों के लिए स्थानीय स्तर पर व्यवस्था उपलब्ध होगी। इससे विभागीय समस्याओं और शिकायतों के निस्तारण में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

इस संबंध में आदेश जारी किया। नए मंडल के गठन से जिले के डाकघरों को स्थानीय स्तर पर अलग प्रशासनिक व्यवस्था मिलेगी। विधान परिषद सदस्य हरिओम पांडेय ने स्वतंत्र डाक मंडल की मंजूरी को जिले के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया के प्रति आभार जताया। पांडेय ने कहा कि नए मंडल से जिले की प्रशासनिक पहचान मजबूत होगी और डाक सेवाओं के विस्तार को नई दिशा मिलेगी।

हर बूथ पर मतदाता बनने का मौका कैंपों का डीएम ने लिया जायजा

अम्बेडकरनगर में सभी मतदेय स्थलों पर चला विशेष अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिकों को जोड़ने के लिए शनिवार को जिले के सभी मतदेय स्थलों पर विशेष मतदाता पंजीकरण कैंप लगाए गए। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर आयोजित इन कैंपों में मतदाता पंजीकरण की व्यवस्थाएं की गईं। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने विभिन्न बूथों पर पहुंचकर कैंपों का निरीक्षण किया। उन्होंने पंजीकरण से जुड़ी व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपजिलाधिकारी आलापुर के साथ तहसील क्षेत्र के विभिन्न बूथों का दौरा किया। इस दौरान अधिकारियों ने कैंपों की स्थिति देखी और पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम



दर्ज कराने के लिए जागरूक किया। अभियान के तहत ऐसे लोगों पर ध्यान दिया गया, जो पात्र होने के बावजूद अब तक मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज नहीं करा सके हैं। अधिकारियों ने पात्र नागरिकों से अपने संबंधित बूथ पर पहुंचकर फॉर्म-6 भरने की अपील की। जिन लोगों का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं है, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीकरण के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैंपों के माध्यम से नागरिकों को मतदाता पंजीकरण के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया। जिला निर्वाचन अधिकारी ने जिले के सभी पात्र नागरिकों से मतदाता पंजीकरण अभियान में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने अभियान के उद्देश्य के अनुरूप पात्र नागरिकों का नाम मतदाता सूची में दर्ज कराने पर जोर दिया। प्रशासन का प्रयास है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रहे। इसके लिए बूथ स्तर पर विशेष कैंप आयोजित किए गए, ताकि नागरिकों को पंजीकरण की प्रक्रिया से जोड़ा जा सके।

फास्ट न्यूज

निकली राम-सीता-लक्ष्मण की झांकी

अंबेडकरनगर। जलालपुर नगर में शुक्रवार रात रामलीला के तहत भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण की भव्य झांकी निकाली गई। रामलीला समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र सोनी की अध्यक्षता में निकली झांकी ने नगर का भ्रमण किया। इस दौरान समिति के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। झांकी के दौरान समिति के उपाध्यक्ष आनंद मिश्र, मेला मंत्री बेचन पांडे, मंत्री सोनू गौड़, सदस्य विकास निषाद और देवेश मिश्र सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सर सैयद अहमद खान की जयंती पर विद्यार्थियों ने दिखाई लेखन प्रतिभा

अंबेडकरनगर। सर सैयद अहमद खान की जयंती पर बुधवार को न्यौरी स्थित मॉडर्न पब्लिक स्कूल में अंग्रेजी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों की लेखन क्षमता को निखारना और अंग्रेजी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना था। इस दौरान विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा के महत्व से भी परिचित कराया गया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य आसिफ फारूकी ने कहा कि सर सैयद अहमद खान शिक्षाविद्, समाज सुधारक और दूरदर्शी विचारक थे।

दूसरी शादी का विरोध करने पर पत्नी को घर से निकाला

अंबेडकरनगर। अहिरौली थाना क्षेत्र में पति की दूसरी शादी का विरोध करने पर पत्नी को मारपीट कर घर से निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत छह ससुरालियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। सिगवन पुरुषोत्तम पट्टी निवासी सना खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि आठ वर्ष पहले उसका निकाह चांद खान के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज से हुआ था।

256 पशुओं का उपचार कर बांटी गईं निशुल्क दवाएं

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज विकासखंड के जमुनीपुर गांव में पंडित दीनदयाल पशु आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में पशुपालकों को पशुओं के स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण और विभिन्न बीमारियों से बचाव की जानकारी दी गई। शिविर में 256 पशुओं का उपचार किया गया और पशुपालकों को निशुल्क दवाएं वितरित की गईं।

कार्यक्रम का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं मंडल अध्यक्ष प्रकाश चंद्र शुक्ला, सेवानिवृत्त पुलिस अधीक्षक अवधेश कुमार सिंह और सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापक संतोष सिंह ने गो पूजन कर किया। मेले में बड़ी संख्या में पशुपालकों ने हिस्सा लिया।

पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविंद्र कुमार चक्रवर्ती ने पशुओं में टीकाकरण, बांझपन की समस्या और उसके निवारण के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. सुधीर कुमार



- पशुपालकों को टीकाकरण, बांझपन के उपचार और पोषण प्रबंधन की दी गई जानकारी गो पूजन के साथ हुआ मेले का शुभारंभ

राणा ने पशुओं में पोषण संबंधी समस्याओं और उनके प्रबंधन की जानकारी दी। डॉ. श्रीनिवास यादव ने पशुपालन विभाग की योजनाओं के बारे में बताया, जबकि डॉ. दिलीप कुमार यादव ने पशुपालन से जुड़ी जरूरी जानकारियां साझा कीं।

मेले में लगाए गए शिविर के माध्यम से 256 पशुओं की चिकित्सा की गई।

चार जनवरी को आएगी अंतिम मतदाता सूची, 12 नवंबर से जुड़वा सकेंगे नाम

अंबेडकरनगर में निर्वाचक नामावली का विशेष पुनरीक्षण तय

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मतदाता सूची में नाम जुड़वाने या दर्ज विवरण में सुधार कराने का मौका मिलने जा रहा है। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावली का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि एक जनवरी 2027 के आधार पर कराया जाएगा। कार्यक्रम के अनुसार, 12 नवंबर को मतदाता सूची का एकीकृत प्रारूप प्रकाशित होगा। इसके बाद 11 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। अंतिम मतदाता सूची चार जनवरी 2027 को प्रकाशित करने का प्रस्ताव है।

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर को पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया है। इसके तहत मतदेय



स्थलों के सम्भाजन और पुनर्व्यवस्थापन की प्रक्रिया दो नवंबर 2026 तक पूरी की जाएगी। इसके बाद 12 नवंबर को एकीकृत प्रारूप वाली मतदाता सूची प्रकाशित होगी।

मतदाता सूची के प्रारूप के प्रकाशन के साथ ही दावे और आपत्तियां लेने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। यह अवधि 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक निर्धारित है। प्राप्त दावे-आपत्तियों का निस्तारण 28 दिसंबर 2026 तक किया जाएगा। इसके बाद चार जनवरी 2027 को अंतिम निर्वाचक नामावली प्रकाशित करने की योजना है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने पात्र नागरिकों से मतदाता सूची में अपना नाम और दर्ज विवरण जांचने की अपील की है। सूची में नाम नहीं होने या नाम, पता अथवा अन्य विवरण में गलती मिलने पर निर्धारित अवधि में नियमानुसार आवेदन किया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों को आयोग के निर्देशों के अनुसार समय-सारिणी के भीतर सभी जरूरी कार्यवाही पूरी करने को कहा गया है।

नुक्कड़ नाटक से दिया संदेश, डिजिटल तकनीक से जुड़ें रिश्ते और रहें साइबर सुरक्षित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बाबा बरुआ दास परास्नातक महाविद्यालय, परुइया आश्रम में सेवा संकल्प एवं 'नमो सेवा-अनकही कहानियां' योजना के तहत नुक्कड़ नाटक 'डिजिटल से दिल तक' का मंचन किया गया। विद्यार्थियों ने डिजिटल साक्षरता, साइबर सुरक्षा और तकनीक के सही इस्तेमाल का संदेश दिया। नाटक के जरिए बताया गया कि डिजिटल माध्यम सरकारी सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने के साथ लोगों को आपस में जोड़े रखने में भी मददगार हैं। नाटक की कहानी बचपन के चार दोस्तों पर आधारित रही। रोजगार के लिए अलग-अलग शहरों में जाने के बाद उनके बीच बातचीत कम हो जाती है। वीडियो कॉल, व्हाट्सएप ग्रुप और अन्य डिजिटल माध्यमों से वे फिर संपर्क में आते हैं और मिलने की योजना बनाते हैं। प्रस्तुति में दिखाया गया कि तकनीक का उपयोग दूरियों को कम करने और रिश्तों में संवाद बनाए रखने के



लिए भी किया जा सकता है।

विद्यार्थियों ने नाटक के माध्यम से डिजिलॉकर पर प्रमाणपत्र साझा करने, यूपीआई से भुगतान करने और सरकारी ई-सेवा पोर्टल का उपयोग करने जैसी सुविधाओं को प्रस्तुत किया। साथ ही साइबर सुरक्षा के प्रति सतर्क रहने की जरूरत बताई। संदेश दिया गया कि डिजिटल सेवाओं की जानकारी से आम लोगों को सरकारी सुविधाओं का लाभ लेने में मदद मिल सकती है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. परेश कुमार पांडेय ने कहा कि डिजिटल सुविधाएं जीवन को सरल बना रही हैं। इनके माध्यम से सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में मदद मिल सकती है।

मिशन शक्ति 6.0 के पिंक समाधान दिवस में महिला शिकायतों को प्राथमिकता से निपटाने के निर्देश

159 शिकायतों में सिर्फ 15 का मौके पर निस्तारण

- समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 123 शिकायतें दर्ज की गईं। पुलिस विभाग से संबंधित 10, विकास विभाग की आठ और अन्य विभागों की 11 शिकायतें प्राप्त हुईं। इस तरह कुल शिकायतों में करीब 77 प्रतिशत मामले राजस्व विभाग के रहे।

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आलापुर तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायतों का बड़ा हिस्सा राजस्व विभाग से जुड़ा रहा। शनिवार को वसुधा सिंह सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कुल 159 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 15 का मौके पर निस्तारण किया गया, जबकि 144 शिकायतों पर तत्काल समाधान नहीं हो सका। इस दौरान मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत पिंक समाधान दिवस आयोजित कर महिला संबंधी शिकायतों के निस्तारण पर भी विशेष जोर दिया गया। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने फरियादियों की समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को शिकायतों का निर्धारित समयसीमा में गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। निस्तारण में लापरवाही और



कमियां मिलने पर संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतों पर निष्पक्ष और पारदर्शी कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने जोर दिया कि निस्तारण केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि शिकायतकर्ता को किए गए समाधान से संतुष्टि भी मिले। समाधान दिवस में शेष 144 शिकायतों पर संबंधित विभागों को नियमानुसार कार्रवाई करनी होगी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, उपजिलाधिकारी आलापुर विकास यादव, तहसीलदार रवीश कुमार सहित राजस्व, पुलिस और अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। इसी क्रम में अन्य तहसीलों में वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन कर जन सामान्य की समस्याओं को सुना गया तथा उसका यथा संभव मौके पर ही निस्तारण सुनिश्चित किया गया। तहसील जलालपुर में 67 में से 05 शिकायतों, तहसील भीटी में 45 में से 06 शिकायतों, तहसील टांडा में 34 में से 6 शिकायतों तथा तहसील अकबरपुर में 77 में से 07 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण से सुनिश्चित किया गया।

पिंक समाधान दिवस में महिला शिकायतों पर विशेष जोर

मिशन शक्ति अभियान 6.0 के क्रम में महिलाओं की समस्याओं को प्राथमिकता देने के लिए पिंक समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने संबंधित अधिकारियों को महिला संबंधी शिकायतें संवेदनशीलता से सुनने और प्राथमिकता के आधार पर उनका निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण में अनावश्यक देरी न हो और निर्धारित प्रक्रिया के तहत प्रभावी कार्रवाई की जाए।

अश्लील वीडियो की धमकी देकर चार साल तक किया दुराचार

अंबेडकरनगर की अदालत का फैसला, दोषी पर 1.20 लाख रुपये जुर्माना

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर महिला से चार साल तक दुराचार करने के मामले में अदालत ने दोषी को 10 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीश, त्वरित न्यायालय प्रथम परविन्द कुमार ने दोषी मोहम्मद शाकिब पर 1.20 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। जुर्माने की आधी राशि पीड़िता को देने का आदेश दिया गया है। मामला हंसवर थाना क्षेत्र का है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, भूलेपुर निवासी मोहम्मद शाकिब, पुत्र इंतियाज, वर्ष 2018 में महिला के पति से परिचय होने के बाद उनके बच्चों को पढ़ाने के लिए घर जाने लगा। इस दौरान वह महिला से भी मोबाइल पर



बातचीत करने लगा।

आरोप था कि एक दिन महिला के स्नान के दौरान उसने चुपके से अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद वीडियो वायरल करने की धमकी देकर वर्ष 2018 से 2022 तक महिला के साथ दुराचार किया। महिला ने आरोपी से पीछा छुड़ाने के लिए कई बार मोबाइल नंबर बदला, लेकिन संपर्क किए जाने का सिलसिला नहीं रुका।

मामले में 25 जुलाई 2024 को विवेचक ने आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। सत्र परीक्षण के दौरान एडीजीसी क्रिमिनल दिलीप कुमार सिंह ने पीड़िता समेत छह गवाहों को पेश किया और कठोर सजा देने की दलील दी। बचाव पक्ष ने भी आरोपी के समर्थन में तर्क रखे। गवाहों के बयान और अपराध की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने मोहम्मद शाकिब को दोषी ठहराया। उसे 10 वर्ष के कठोर कारावास और 1.20 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई गई। अदालत ने जुर्माने की आधी धनराशि पीड़िता को देने का भी आदेश दिया।

'मिशन योगी अगेन सीएम' का 2027 पर फोकस, गांव-गांव जनसंपर्क का आह्वान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मिशन योगी अगेन सीएम उत्तर प्रदेश राष्ट्र रक्षा मंच के बैनर तले वर्ष 2019 से राष्ट्रहित, सनातन संस्कृति और हिंदू सामाजिक समरसता से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय है। संगठन ने वर्ष 2027 में योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने का लक्ष्य भी अपने अभियान में शामिल किया है। इसके लिए कार्यकर्ताओं से गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचकर जनसंपर्क करने का आह्वान किया जा रहा है।

प्रदेश संयोजक और पूर्व वायुसेना अधिकारी स्वामी ओमप्रकाश के नेतृत्व में संचालित संगठन सामाजिक भेदभाव दूर करने और आपसी एकता को मजबूत करने पर जोर देता है। संगठन के घोषित उद्देश्यों में मंदिरों और धर्मस्थलों का संरक्षण, सनातन परंपराओं का प्रचार-प्रसार तथा युवाओं को राष्ट्र और समाज के प्रति जिम्मेदार बनाना शामिल है। संगठन की ओर से जागरण, भजन, सत्संग, धर्मसभा



- राष्ट्र रक्षा मंच से संबद्ध संगठन सामाजिक समरसता और सनातन संस्कृति के प्रचार के साथ योगी आदित्यनाथ को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने के अभियान में जुटा

और जनजागरण अभियान आयोजित करने पर जोर दिया जाता है। इसके माध्यम से सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और सामाजिक एकता का संदेश देने की बात कही गई है। संगठन जातिगत भेदभाव से ऊपर उठकर आपसी सद्भाव बढ़ाने की पैरवी करता है। संगठन का नारा 'जय योगी, तय योगी' और '2027 में फिर योगी' है।

बदलाव : 17 अक्टूबर सुबह छह बजे से मूर्ति विसर्जन तक लागू रहेगा डायवर्जन

दुर्गा पूजा और दशहरा पर बदलेगा अकबरपुर का यातायात

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। शारदीय नवरात्र और दुर्गा पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए अकबरपुर शहर में यातायात व्यवस्था बदली गई है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 17 अक्टूबर 2026 को सुबह छह बजे से दशहरा पर मूर्ति विसर्जन तक भारी वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। वहीं, शाम पांच बजे से हल्के वाहनों के प्रवेश पर भी रोक लागू होगी। पुलिस ने वाहन चालकों के लिए वैकल्पिक मार्ग निर्धारित किए हैं।

पटेल तिराहा से इल्तिफातगंज मार्गः इस दिशा में जाने वाले वाहन टांडा रोड स्थित इंजीनियरिंग कॉलेज मोड़ से होकर जाएंगे। विपरीत दिशा



से आने वाले वाहन भी इसी मार्ग का इस्तेमाल करेंगे।

शहजादपुर से तहसील और पटेल तिराहाः इस ओर जाने वाले वाहनों को गोहन्ना बाईपास से हाईवे होते हुए न्यौतरिया के रास्ते पटेल तिराहा पहुंचना होगा। तहसील की ओर से शहजादपुर जाने वाले वाहनों को भी गोहन्ना बाईपास और हाईवे का इस्तेमाल करना होगा।

अयोध्या रोड से पटेल तिराहाः तहसील की ओर जाने वाले वाहन अन्नावा तिराहा से डायवर्ट होकर हाईवे के रास्ते न्यौतरिया बाईपास से पटेल तिराहा पहुंचेंगे। अयोध्या रोड की ओर जाने वाले वाहन भी इसी मार्ग से अन्नावा तिराहा पहुंचेंगे।

महरूआ रोड से शहजादपुरः इस दिशा से आने वाले हल्के वाहनों को मयूर रिसोर्ट के पास से डायवर्ट किया जाएगा। पुलिस के अनुसार, 17 अक्टूबर की शाम पांच बजे से दशहरा पर मूर्ति विसर्जन तक प्रतिदिन ई-रिक्शा, कार और पिकअप सहित हल्के वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। सभी वाहन निर्धारित वैकल्पिक मार्गों से अपने गंतव्य तक जाएंगे। इसके अलावा 16 अक्टूबर से फव्वारा तिराहा से शहजादपुर चौक की ओर सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश बंद किया गया है।

भारी वाहनों को बाईपास से गुजरना होगा

आजमगढ़ और बसखारी से अयोध्या जाने वाले भारी वाहन न्यौतरिया बाईपास से गोहन्ना चौराहा, पहितीपुर, श्रवण क्षेत्र और अन्नावा होते हुए जाएंगे। अयोध्या से आने वाले भारी वाहनों को भी इसी मार्ग से लौटना होगा। बस्ती और टांडा से अकबरपुर आने वाले भारी वाहनों को कटारिया याकूबपुर से डायवर्ट किया जाएगा। ये वाहन बाईपास का इस्तेमाल कर अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। अकबरपुर क्षेत्र में मालीपुर रोड, जलालपुर रोड, बसखारी रोड, टांडा रोड और दोस्तपुर रोड के प्रमुख बाईपास व चौराहों पर भी डायवर्जन लागू रहेगा।

गड्ढों में गिट्टी डालकर छोड़ी सड़क मरम्मत की गुणवत्ता पर सवाल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नेशनल हाईवे-128 से सहतु गंज जाने वाला करीब दो किलोमीटर लंबा मार्ग लंबे समय से गड्ढों की समस्या से जूझ रहा है। नवरात्र के दौरान सड़क के गड्ढों में पत्थर की गिट्टी डालकर मरम्मत की गई, लेकिन इसकी गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय राहगीरों का आरोप है कि कई जगह गिट्टी वाहनों के आवागमन से बिखर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, हाईवे के पास सड़क के किनारे करीब पांच फीट के हिस्से में तारकोल और गिट्टी डालकर मरम्मत की गई। वहीं, सड़क के अन्य हिस्सों में गड्ढों में केवल पत्थर की गिट्टी डाली गई। राहगीरों का कहना है कि गिट्टी सड़क पर टिकने के बजाय बिखर रही है। इससे आवागमन में परेशानी हो रही है और दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि बारिश के दौरान गड्ढों को भरने के लिए पहले ईंटें डाली गई थीं। अब



- नेशनल हाईवे-128 से सहतु गंज तक दो किलोमीटर मार्ग की हालत खराब, बारिश में डाली गई थीं ईंटें अब गिट्टी बिखरने से राहगीरों की परेशानी बरकरार

नवरात्र के अवसर पर गिट्टी डालकर मरम्मत की गई है। लोगों का कहना है कि पहले भी इसी तरह गिट्टी डालकर मरम्मत की गई थी, लेकिन अगले दिन तक गिट्टी सड़क पर बिखर गई थी। ऐसे में सड़क की मरम्मत कितने दिन टिकेगी, इस पर सवाल उठ रहे हैं।

सम्पादकीय

कठघरे में कांग्रेस



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर हिंसा और अराजकता के सहारे बांग्लादेश की तरह सत्ता परिवर्तन के प्रयास में लिप्त होने का जो गंभीर आरोप लगाया, उसके लिए राहुल गांधी अपने अलावा अन्य किसी को दोष नहीं दे सकते। उन्होंने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में धुर वामपंथी प्रशांत भूषण और नेहा बोरा को जिस तरह अपने साथ खड़े होने की विशेष सुविधा प्रदान की, उससे यही पता चला कि हताशा में आकर वे अराजकतावादियों का भी सहयोग लेने को तैयार हैं।

प्रशांत भूषण कह रहे हैं कि हां, हम सत्ता परिवर्तन के लिए ही लड़ रहे हैं और इसमें कुछ गलत भी नहीं। वे खून-खराबे वाली क्रांति की भी बात कह चुके हैं। नेहा बोरा कह रही हैं कि उन्हें बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरणा मिली। उनकी समझ से बांग्लादेश का आंदोलन लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए था। वे जानबूझकर इसे भूल गईं कि बांग्लादेश के छात्र आंदोलन में कट्टरपंथी मजहबी तत्व शामिल थे और उन्होंने हिंसा का कैसा नंगा नाच किया था। उन्हें यह भी याद नहीं रहा कि तब वहां किस बड़े पैमाने पर हिंदुओं की हत्याएं हुई थीं और कथित लोकतंत्र प्रेमी छात्रों ने चरमपंथी संगठन जमाते इस्लामी के साथ मिलकर चुनाव लड़ना पसंद किया था। नेहा बोरा वामपंथी छात्र संगठन आईसा की नेता हैं, लेकिन राहुल गांधी अपने छात्र संगठन के नेताओं से अधिक उन पर भरोसा कर रहे हैं। इससे इसी बात की पुष्टि होती है कि वे वामपंथियों से कुछ ज्यादा ही प्रेरित हैं। यह भी सनद रहे कि कांग्रेस के एक और करीबी योगेंद्र यादव यह कह चुके हैं कि अब इस देश में लोकतंत्र का भविष्य संसद से नहीं, बल्कि सड़क से तय होगा। कांग्रेस नेताओं और विशेष रूप से राहुल गांधी को स्पष्ट करना होगा कि क्या वे अराजकता की खुली पैरवी करने वाले प्रशांत भूषण, योगेंद्र यादव और नेहा बोरा के विचारों से सहमत हैं?

उन्हें यह भी बताना चाहिए कि कॉकरोच जनता पार्टी से दूरी बनाते-बनाते उसके निकट जाने की जरूरत क्यों पड़ रही है? यदि वे मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के विभिन्न पहलुओं की सुनवाई कर रहे सुप्रीम कोर्ट पर सच में भरोसा कर रहे हैं तो फिर सड़कों पर क्यों उतर रहे हैं? क्या यह सुप्रीम कोर्ट पर भरोसे का परिचायक है कि वे भीड़ के साथ मार्च करते हुए याचिका दाखिल करना पसंद करते हैं? आखिर इसे अराजक व्यवहार के अलावा और क्या कहा जा सकता है? कांग्रेस केवल अपनी विचारधारा से भटक ही नहीं गई है, बल्कि वह लोकतांत्रिक मूल्यों का अनादर भी कर रही है। उसे अच्छे से पता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त को महाभियोग के जरिये ही हटाया जा सकता है, लेकिन वह ऐसा जाहिर कर रही है कि यह काम अशांति पैदा करके भी हो सकता है।

दशहराः शौर्य, साधना एवं नवसंकल्प का महापर्व

> दशहरे की सांस्कृतिक चेतना का सबसे प्रभावशाली आधार भगवान श्रीराम की रावण पर विजय है। रामायण का यह प्रसंग केवल एक ऐतिहासिक अथवा पौराणिक युद्ध की परिणति नहीं, बल्कि मानवीय मूल्यों और अहंकार के बीच संघर्ष का शाश्वत आख्यान है।



भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उसने जीवन के उत्सवों को केवल आनंद और उल्लास तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें आत्मचिंतन, साधना, संस्कार और जीवन-परिवर्तन का माध्यम बनाया है। यहां प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई शाश्वत संदेश समेटे हुए है। दशहरा अथवा विजयादशमी ऐसा ही प्रेरणाप्रद पर्व है, जो भारतीय संस्कृति की गहरी जड़ों, आध्यात्मिक परंपराओं और जीवन-दर्शन से जुड़कर मनुष्य को सत्य, साहस, सदाचार और आत्मविजय की राह दिखाता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन की वास्तविक विजय दूसरों को पराजित करने में नहीं, बल्कि अपने भीतर विद्यमान दुर्बलताओं, विकारों और नकारात्मक प्रवृत्तियों पर विजय प्राप्त करने में है। असत्य पर सत्य, अंधकार पर प्रकाश, निराशा पर आशा और अधर्म पर धर्म की विजय का यह उत्सव भारतीय जनमानस में सदियों से नई ऊर्जा, नया विश्वास और नया संकल्प भरता आया है।

श्रीराम मर्यादा, करुणा, सत्य, कर्तव्य और धर्मनिष्ठा के प्रतीक हैं, जबकि रावण ज्ञान, सामर्थ्य और वैभव से संपन्न होने के बावजूद अहंकार, अनियंत्रित इच्छाओं और अनैतिक आचरण का प्रतीक बन जाता है। रावण का व्यक्तित्व इस सत्य को उजागर करता है कि ज्ञान यदि विवेक से, शक्ति यदि मर्यादा से और समृद्धि यदि नैतिकता से विमुख हो जाए, तो मनुष्य के पतन का कारण बन जाती है। श्रीराम की विजय इसलिए महत्वपूर्ण है कि उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अपने आदर्शों का परित्याग नहीं किया। दशहरा हमें सिखाता है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और धर्म के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति अंततः समाज की आस्था और इतिहास की प्रेरणा बनता है। भारतीय संस्कृति में दशहरे का संबंध केवल राम की विजय से नहीं, बल्कि मां दुर्गा की महिषासुर पर विजय से भी जुड़ा है। नवरात्र के नौ दिनों में शक्ति की आराधना और दसवें दिन विजयादशमी का उत्सव इस बात का प्रतीक है कि साधना के बाद सिद्धि, संघर्ष के बाद सफलता और आत्मबल के जागरण के बाद विजय का मार्ग प्रशस्त होता है। मां दुर्गा की उपासना हमें यह संदेश देती है कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए शक्ति और संवेदना, साहस और विवेक तथा पराक्रम और करुणा का समन्वय आवश्यक है। भारतीय आध्यात्मिक परंपरा में शक्ति का अर्थ केवल बाहुबल अथवा प्रभुत्व नहीं है, बल्कि आत्मबल, इच्छाशक्ति, धैर्य, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने की नैतिक क्षमता भी है। इसीलिए दशहरा शक्ति की साधना के साथ-साथ उस शक्ति के सदुपयोग का भी पर्व है।

दशहरा पर्व का आध्यात्मिक पक्ष अत्यंत गहरा है। बाहरी रावण का दहन तभी सार्थक है, जब मनुष्य अपने भीतर बैठे रावण को पहचानने और परास्त करने का साहस जुटाए। काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी जैसी प्रवृत्तियां मनुष्य के व्यक्तित्व को भीतर से दुर्बल बनाती हैं। रावण के दस सिरों को इन दस विकारों के प्रतीक के रूप में भी देखा जा सकता है। प्रतिवर्ष रावण के पुतले जलते हैं, आतिशबाजी होती है और उत्सव संपन्न हो जाता है, लेकिन यदि हमारे भीतर ईर्ष्या, छल, स्वार्थ, द्वेष और अहंकार जीवित रहें, तो विजयादशमी का मूल उद्देश्य अधूरा रह जाता है। सच्चा दशहरा वह है, जब हम किसी के प्रति अपने मन में पल रहे द्वेष को समाप्त करें, अपने व्यवहार से छल को निकालें, अपने अधिकारों के साथ कर्तव्यों को स्वीकारें और अपनी सफलता में दूसरों के योगदान को भी सम्मान दें। आत्मविजय ही सभी विजयों का आधार है। भारतीय संस्कृति उत्सव को साधना और साधना को जीवन की श्रेष्ठता से जोड़ती है। विजयादशमी इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस दिन शस्त्रपूजा की जाती है, नए कार्यों का शुभारंभ होता है और विजय की कामना के साथ जीवन में आगे बढ़ने का संकल्प लिया जाता है। शस्त्रपूजा का वास्तविक अर्थ केवल अस्त्रों की आराधना नहीं, बल्कि शक्ति के प्रति श्रद्धा और उसके उत्तरदायी उपयोग का संकल्प है। आज के संदर्भ में हमारे शस्त्र ज्ञान, विवेक, शिक्षा, विज्ञान, श्रम, नैतिकता और सत्यनिष्ठा भी हैं। यदि इन शक्तियों का उपयोग मानवता के कल्याण के लिए किया जाए, तो वे राष्ट्रनिर्माण के प्रभावशाली साधन बन सकती हैं। दशहरा हमें अकर्मण्यता से कर्मशीलता, निराशा से आशा और निष्क्रियता से सृजनशीलता की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है। यह दिन अपने अधूरे संकल्पों को पूरा करने, नई संभावनाओं के द्वार खोलने और जीवन को श्रेष्ठ दिशा देने का अवसर है। दशहरे का एक महत्वपूर्ण पक्ष प्रकृति, कृषि और लोकजीवन से उसका संबंध भी है। भारतीय समाज में यह पर्व फसल, समृद्धि, ऋतु-परिवर्तन और सामुदायिक उल्लास की परंपराओं से जुड़ा रहा है। शमी वृक्ष की पूजा, उसके पत्तों का आदान-प्रदान और नए कार्यों का शुभारंभ प्रकृति के प्रति श्रद्धा तथा मंगलकामना की भावना को व्यक्त करते हैं। कृषि प्रधान भारत में फसल की समृद्धि केवल आर्थिक उपलब्धि नहीं, बल्कि धरती, किसान और प्रकृति के परस्पर सहयोग का उत्सव भी है। यह परंपरा हमें याद दिलाती है कि मनुष्य की प्रगति प्रकृति से अलग होकर संभव नहीं है। जिस संस्कृति ने वृक्षों, नदियों, पर्वतों और धरती में पवित्रता का अनुभव किया, उसकी उत्सवधर्मिता में पर्यावरण संरक्षण और सह-अस्तित्व की प्रेरणा भी अंतर्निहित है। आज जब पर्यावरणीय संकट मानवता के सामने गंभीर चुनौती बन रहा है, तब दशहरा हमें प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पुनः समझने का अवसर देता है।

विजयादशमी भारतीय संस्कृति की समन्वयकारी चेतना का भी उत्सव है। देश के अलग-अलग क्षेत्रों में इसे विविध रूपों में मनाया जाता है। कहीं रामलीला और रावण-दहन होता है, कहीं दुर्गापूजा के बाद मां की विदाई, कहीं शस्त्रपूजा तो कहीं लोकपरंपराओं के माध्यम से विजय का उल्लास व्यक्त किया जाता है। इन विविधताओं के पीछे एक साझा सांस्कृतिक सूत्र है-सत्य के प्रति आस्था, धर्म के प्रति निष्ठा, शक्ति के प्रति सम्मान और जीवन में मंगल की कामना। आज दशहरे के संदेश को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय जीवन में उतारना पहले से अधिक आवश्यक है। भ्रष्टाचार, हिंसा, सामाजिक विद्वेष, अनैतिक प्रतिस्पर्धा, छलपूर्ण व्यवहार और स्वार्थपरक राजनीति जैसी प्रवृत्तियां समाज की नैतिक शक्ति को कमजोर करती हैं।

ललित गर्ग

अक्टूबर महीने के ... | अशोक भाटिया

लोकतंत्र की शुचिता और चुनावी सुधारः आयोग की देर से जागी चेतना

भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'एक वोट' की कीमत सरकार बनाने और गिराने से कहीं अधिक, एक आम नागरिक की संप्रभुता और देश के प्रति उसकी हिस्सेदारी का सबसे बड़ा संवैधानिक प्रतीक है। यही कारण है कि जब भी मतदाता सूचियों की पारदर्शिता या उसमें होने वाले किसी भी प्रकार के प्रशासनिक हेरफेर की बात सामने आती है, तो पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था के मूल ढांचे पर ही सवाल खड़े होने लगते हैं। पिछले लंबे समय से देश के विपक्षी दल भारत निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली, विशेषकर 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' के नाम पर बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से गायब होने को लेकर सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आंदोलनरत थे। इस चौतरफा राजनीतिक दबाव, राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों और देश की शीर्ष अदालत की कड़ी कानूनी जांच के बाद आखिरकार चुनाव आयोग बैकफुट पर आने और अपनी गलतियों में सुधार करने के लिए राजी हुआ है। आयोग द्वारा आगामी 'स्पेशल समरी रिवीजन' 2027 की प्रक्रिया में चार बड़े संरचनात्मक बदलावों की घोषणा करना और विपक्षी दलों से बातचीत के लिए मेज पर आना, लोकतांत्रिक दबाव की एक बड़ी जीत के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के अन्य घटकों ने इस कदम को रत्टू लिटिल, टू लेटर यानी बहुत कम और बहुत देर से उठाया गया कदम करार देकर यह साफ कर दिया है कि चुनावी शुचिता की यह लड़ाई अभी थमी नहीं है। इस पूरे विवाद की जड़ें मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल के दौरान अपनाई गई उस विवादित 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' प्रक्रिया में छिपी हैं, जिसके तहत विपक्ष का आरोप है कि देश भर में लगभग 13.3 करोड़ मतदाताओं के नाम बिना किसी उचित नोटिस, जमीनी सत्यापन या पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया के मतदाता सूची से अचानक हटा दिए गए। लोकतंत्र के इतिहास में यह संख्या इतनी बड़ी है कि इसे किसी भी तकनीकी त्रुटि, लिपिकीय चूक या सामान्य प्रशासनिक लापरवाही का नाम देकर खारिज नहीं किया जा सकता। विपक्ष का यह आरोप बेहद गंभीर और विचारणीय है कि जानबूझकर एक खास राजनीतिक रणनीति के तहत उन मतदाताओं को निशाना बनाया गया जो सत्तापक्ष के प्रति असहमति का रुख रखते हैं या जिनकी राजनीतिक निष्ठाएं शासन के अनुकूल नहीं हैं। जब इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों का हनन प्रशासनिक फाइलों और सॉफ्टवेयर एल्गोरिदम के पीछे छिपकर किया जाने लगे, तो विपक्षी दलों का आक्रोशित होना और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर अड़ जाना पूरी तरह स्वाभाविक हो जाता है। कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा देश भर में किए गए उग्र प्रदर्शनों ने आयोग को यह अहसास करा दिया कि बंद कमरों में बैठकर और राजनीतिक दलों के बड़े प्रतिनिधिमंडलों से मिलने से इनकार करके जनता के भरोसे को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। लोकतांत्रिक संस्थाओं का यह अड़ियल रवैया ही देश में संस्थागत संकट को जन्म देता है, जहां जनता का भरोसा अपनी ही चुनी हुई व्यवस्था से उठने लगता है। इस पूरे घटनाक्रम में देश की न्यायपालिका, विशेषकर सुप्रीम कोर्ट की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण और मार्गदर्शक रही है। विपक्ष द्वारा दायर विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जब देश के वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अन्य कानूनी विशेषज्ञों ने न्यायालय के समक्ष यह अकाट्य तथ्य रखा कि नागरिकों को बिना किसी सुनवाई का अवसर दिए, बिना किसी प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का पालन किए उनके मताधिकार से वंचित किया जा रहा है, तो सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर अत्यंत सख्त रुख अपनाया। अक्टूबर महीने के दौरान सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव आयोग से सीधे जवाब तलब किए जाने और इस पूरी प्रक्रिया की वैधानिकता पर सवाल उठाए जाने के बाद ही आयोग के भीतर प्रशासनिक हलचल तेज हुई। न्यायपालिका की यह सक्रियता एक बार फिर साबित करती है कि जब देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं अपनी निष्पक्षता खोने लगती हैं या किसी एक विचारधारा के दबाव में काम करने का भ्रम पैदा करती हैं, तब संविधान के असली रक्षक के रूप में देश की शीर्ष अदालत को ही आगे आना पड़ता है। अदालत की इस सख्त निगरानी और लगातार बढ़ते जन-आक्रोश का ही नतीजा है कि चुनाव आयोग ने अपने अड़ियल रुख को छोड़ते हुए वार्ता और सुधार का रास्ता चुना है। आयोग द्वारा घोषित किए गए चार बड़े सुधार और 17 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में लागू होने वाली 'स्पेशल समरी रिवीजन' 2027 की समयसीमा—जिसके तहत 12 नवंबर 2026 को ड्राफ्ट रोल और 4 जनवरी 2027 को अंतिम मतदाता सूची जारी की जानी है—सैद्धांतिक रूप से एक सकारात्मक कदम लग सकती है। लेकिन व्यावहारिक धरातल पर इस कदम की सार्थकता इस बात पर निर्भर करेगी कि क्या आयोग वाकई स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से काम करने की अपनी खोई हुई साख को वापस पा सकता है।

संस्थान में ... | डॉ0 सीमा गुप्ता

हुनर से आत्मनिर्भरताः बरेली की ऋतु ने फैशन डिजाइनिंग के बल पर स्थापित किया अपना उद्यम

महिला सशक्तीकरण और युवाओं को कौशल प्रशिक्षण से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केंद्र सरकार और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाएं धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही हैं। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को तकनीकी रूप से दक्ष और आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने की दिशा में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (विश्व बैंक महिला), बरेली एक सशक्त आधारस्तंभ सिद्ध हो रहा है। सिविल लाइन्स, बरेली में स्थापित यह विशिष्ट संस्थान जनपद एवं समीपवर्ती ग्रामीण अंचलों की बालिकाओं और युवतियों को आधुनिक औद्योगिक मानकों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता युक्त व्यावहारिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध करा रहा है।

जनपद बरेली में इन कल्याणकारी प्रयासों का प्रत्यक्ष और उत्साहजनक प्रभाव स्थानीय निवासी ऋतु के जीवन में स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुआ है। व्यावसायिक शिक्षा के माध्यम से अपने हुनर को निखारकर उन्होंने न केवल आर्थिक स्वावलंबन हासिल किया, बल्कि अन्य युवतियों के लिए भी आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। बरेली के एक सामान्य परिवार से ताल्लुक रखने वाली ऋतु के भीतर आरंभ से ही परिधान निर्माण और रचनात्मक कार्यों के प्रति गहरी रुचि थी। वे स्वरोजगार के जरिए अपने पैरों पर खड़ा होकर परिवार का संबल बनना चाहती थीं, किंतु इसके लिए उन्हें औपचारिक तकनीकी दक्षता, आधुनिक कटिंग-टेलरिंग के मानकों और व्यावहारिक प्रशिक्षण की आवश्यकता थी। अपने इस संकल्प को साकार करने के लिए ऋतु ने व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के अंतर्गत जनपद बरेली में संचालित राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (विश्व बैंक महिला) का रुख किया। उन्होंने संस्थान के फैशन डिजाइनिंग एवं टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में विधिवत प्रवेश लेकर अपने व्यावसायिक प्रशिक्षण की शुरुआत की।

संस्थान में उपलब्ध अनुकूल शैक्षणिक वातावरण, सुसज्जित प्रयोगशालाओं और आधुनिक सिलाई व कटिंग उपकरणों के माध्यम से ऋतु ने वस्त्र निर्माण के विभिन्न तकनीकी पहलुओं को बारीकी से समझा। उन्होंने परिधान निर्माण, पैटर्न मेकिंग, ड्राफ्टिंग, फैब्रिक चयन और आधुनिक बाजार की मांग के अनुरूप नवीन डिजाइनिंग तकनीकों पर गहन व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जनपद बरेली अपनी समृद्ध जरी-जरदोजी और वस्त्र शिल्पकला के लिए राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान रखता है। जिले के इस समृद्ध शिल्प परिवेश के बीच राजकीय महिला आईटीआई से प्राप्त आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण ने ऋतु के कौशल को समकालीन बाजार की प्राथमिकताओं के अनुसार तराशने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। संस्थान से प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत ऋतु ने बिना किसी हिचकिचाहट के स्वरोजगार की दिशा में पहला कदम बढ़ाया। उन्होंने प्रारंभिक स्तर पर सीमित संसाधनों के साथ अपने घर से ही बुटीक और परिधान निर्माण का कार्य शुरू किया। संस्थान से मिले आत्मविश्वास और गुणवत्तापूर्ण काम के चलते स्थानीय स्तर पर उनके काम को निरंतर सराहना मिलने लगी।

धर्म परिवर्तन और आरक्षण का प्रश्न-संवैधानिक मर्यादा

भारतीय संविधान के निर्माताओं ने आरक्षण की अवधारणा को सामाजिक असमानता, ऐतिहासिक भेदभाव और संस्थागत उत्पीड़न के शिकार समुदायों को सशक्त बनाने के एक माध्यम के रूप में गढ़ा था। यह व्यवस्था किसी वर्ग को मिलने वाला स्थायी विशेषाधिकार नहीं, बल्कि एक विशेष सुधारात्मक और संवैधानिक सुरक्षा कवच है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा धर्म परिवर्तन और आरक्षण के अंतर्संबंधों पर सुनाया गया ऐतिहासिक फैसला इस संवैधानिक ढांचे को पुनः परिभाषित और स्पष्ट करता है। शीर्ष अदालत ने मद्रास उच्च न्यायालय के फैसले को सही ठहराते हुए और तमिलनाडु सरकार के आदेश को रद्द करते हुए साफ शब्दों में कहा कि हिंदू धर्म के अंतर्गत अनुसूचित जाति (SC) या अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) के रूप में मिलने वाला आरक्षण का लाभ किसी अन्य धर्म को अपनाने के बाद स्वतः जारी नहीं रह सकता। अदालत का यह स्पष्ट निष्कर्ष कि सामाजिक पिछड़ापन एक धर्म से दूसरे धर्म में प्रवेश करने पर अपने आप स्थानांतरित नहीं होता, देश भर के विधिक, सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में व्यापक चर्चा और पुनर्विचार का मार्ग प्रशस्त करता है। सर्वोच्च न्यायालय का यह निर्णय इस बुनियादी सिद्धांत पर आधारित है कि भारत में विभिन्न धर्मों की अपनी अलग-अलग सामाजिक संरचनाएं, मान्यताएं और आंतरिक व्यवस्थाएं हैं। हिंदू समाज में व्याप्त ऐतिहासिक जातिगत विषमताओं को दूर करने के लिए अनुसूचित जातियों हेतु आरक्षण का विशेष प्रावधान किया गया था। चूँकि इस्लाम, ईसाई या अन्य धर्म सैद्धांतिक रूप से जातिविहीन और समानता के दर्शन पर बल देते हैं, इसलिए यह तर्क पूरी तरह न्यायसंगत है कि धर्म बदलने के साथ ही पुरानी सामाजिक पहचान और उससे जुड़ा पिछड़ापन अपने आप नए धर्म में लागू नहीं हो सकता। तमिलनाडु सरकार द्वारा धर्म परिवर्तित कर चुके मुसलमानों को पिछड़े मुस्लिमवर्ग के तहत आरक्षण देने का आदेश संवैधानिक सिद्धांतों की कसौटी पर खरा नहीं उतरा। यह फैसला साफ करता है कि केवल प्रशासनिक घोषणाओं या राजनीतिक सहूलियत के आधार पर आरक्षण के दायरे को मनमाने ढंग से विस्तारित नहीं किया जा सकता, जब तक कि नए धर्म के भीतर उस वर्ग के वास्तविक सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन के ठोस आंकड़े और संवैधानिक प्रमाण मौजूद न हों।

अशोक कुमार झा

जरा हटके

उत्तर प्रदेश की ... | अभिषेक सिंह

प्रदेश के मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण से विकास को मिली नई रफ्तार



उत्तर प्रदेश के समग्र एवं संतुलित विकास में लोक निर्माण विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रदेश के विशाल सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाए रखने, यातायात को सुगम करने, औद्योगिक एवं आर्थिक गतिविधियों को गति देने तथा ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने में विभाग निरंतर कार्य कर रहा है। सड़कें केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की आधारभूत संरचना हैं। बेहतर सड़क नेटवर्क से जहां लोगों को सुरक्षित और सुगम यात्रा की सुविधा मिलती है, वहीं कृषि, उद्योग, व्यापार, पर्यटन और रोजगार के अवसरों को भी गति मिलती है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में वर्ष 2017-18 से प्रदेश में मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण पर विशेष ध्यान दिया गया है। राज्य योजना सहित विभिन्न योजनाओं, राज्य सड़क निधि, चीनी मिल मार्ग, धर्मार्थ योजना, औद्योगिक लॉजिस्टिक, केन्द्रीय मार्ग निधि, विश्व बैंक परियोजना तथा एशियन डेवलपमेंट बैंक की परियोजनाओं के माध्यम से महत्वपूर्ण मार्गों को आधुनिक मानकों के अनुरूप लगातार विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में यातायात को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से वर्ष 2017 से अब तक विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत लगभग 30,131 किलोमीटर मार्गों के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य किया गया है। यह उपलब्धि प्रदेश के सड़क बुनियादी ढांचे में व्यापक परिवर्तन को दर्शाती है। मार्गों के चौड़ीकरण से न केवल सड़क की क्षमता बढ़ती है, बल्कि यातायात के दबाव को कम करने, दुर्घटनाओं की संभावना घटाने और वाहनों की औसत गति को बेहतर करने में भी सहायता मिलती है। वहीं सुदृढ़ीकरण के माध्यम से मार्गों की गुणवत्ता, मजबूती और टिकाऊपन को बढ़ाया जाता है। इस प्रकार सड़क निर्माण की प्रक्रिया केवल नई सड़क बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा सड़क परिसंपत्तियों को दीर्घकाल तक उपयोगी बनाए रखना भी इसका महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रदेश में बढ़ते औद्योगिक एवं व्यावसायिक निवेश को देखते हुए भी मजबूत सड़क नेटवर्क की आवश्यकता लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक क्षेत्रों, कृषि उत्पादन केंद्रों, मंडियों, धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों तथा जिला मुख्यालयों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने से आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिल रही है।

उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए नेपाल सीमा से जुड़े मार्गों का रणनीतिक एवं आर्थिक महत्व अत्यधिक है। इंडो-नेपाल बॉर्डर मार्ग निर्माण परियोजना के अंतर्गत कुल 12 कार्य, लगभग 235 किलोमीटर लंबाई और 1,039 करोड़ रुपये की लागत से प्रगति में हैं। परियोजना के अंतर्गत लगभग 230 किलोमीटर की भौतिक प्रगति दर्ज की गई है, जबकि वित्तीय प्रगति लगभग 966 करोड़ रुपये है। इनमें 10 कार्य पूर्ण हो चुके हैं और 02 कार्य प्रगति में हैं। भारत-नेपाल सीमा से जुड़े मार्गों का सुदृढ़ीकरण केवल आवागमन की सुविधा तक सीमित नहीं है। इन मार्गों से सीमावर्ती क्षेत्रों के आर्थिक विकास, व्यापारिक गतिविधियों, स्थानीय बाजारों तक पहुंच, पर्यटन और सामाजिक संपर्क को मजबूती मिलती है। बेहतर कनेक्टिविटी से सीमावर्ती क्षेत्रों में विकास की संभावनाएं भी व्यापक होती हैं। प्रदेश सरकार की सड़क विकास संबंधी योजनाओं का व्यापक उद्देश्य ऐसी कनेक्टिविटी व्यवस्था विकसित करना है, जिसमें प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों को प्रमुख शहरों, जिला मुख्यालयों, औद्योगिक केंद्रों और राष्ट्रीय स्तर के मार्गों से बेहतर संपर्क प्राप्त हो। इसके लिए जहां आवश्यक है, वहां पुराने मार्गों का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण किया जा रहा है, वहीं महत्वपूर्ण मार्गों को आधुनिक यातायात मानकों के अनुरूप विकसित किया जा रहा है। सड़क अवसंरचना का सीधा प्रभाव आम नागरिक के जीवन पर पड़ता है। बेहतर सड़क से स्कूल, अस्पताल, बाजार और रोजगार के केंद्रों तक पहुंच आसान होती है। किसानों के लिए अपनी उपज को मंडियों और बाजारों तक पहुंचाना सुगम होता है। उद्योगों के लिए कच्चे माल और तैयार उत्पादों की आवाजाही आसान होती है। इसी प्रकार पर्यटन एवं धार्मिक स्थलों तक बेहतर संपर्क स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने सड़कों की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया है। सड़क निर्माण की सफलता केवल परियोजना पूर्ण होने से निर्धारित नहीं होती, बल्कि उसकी गुणवत्ता और लंबे समय तक उपयोगी बने रहने से होती है। इसी दृष्टि से निर्माण कार्यों के साथ डीएलपी एवं अनुरक्षण अवधि की व्यवस्था को भी महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद उनका संबंधित स्टेट खंडों को हस्तांतरण और अनुरक्षण व्यवस्था सड़क परिसंपत्तियों के बेहतर प्रबंधन की दिशा में अहम कदम है। उत्तर प्रदेश में सड़क नेटवर्क का लगातार विस्तार और सुदृढ़ीकरण प्रदेश के विकास की आधारशिला को मजबूत कर रहा है। वर्ष 2017 से अब तक लगभग 30,131 किलोमीटर मार्गों पर चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य इस दिशा में किए गए व्यापक प्रयासों को रेखांकित करता है।

35 लाख अभ्यर्थियों में गुस्सा, आयोग अध्यक्ष बोले- ऑटो सिस्टम से तय हुए

‘यूपी पीईटी एग्जाम का सेंटर 500-600 किमी दूर बनाए’

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। जौनपुर के सिद्धार्थ सिंह को PET (प्रारंभिक पात्रता परीक्षा) देने के लिए 520 किमी दूर मैनपुरी जाना होगा। परीक्षा के लिए उन्हें एक दिन पहले ही घर से निकलने की तैयारी करनी पड़ रही है। प्रयागराज के मोहम्मद रहमान की परेशानी इससे भी ज्यादा है। उनका सेंटर 650 किमी दूर गाजियाबाद में पड़ा है।

ये दो अभ्यर्थियों की कहानी नहीं, बल्कि PET देने जा रहे करीब 35 लाख युवाओं का दर्द है। वो परेशान हैं कि परीक्षा की तैयारी पर फोकस करे या सफर में लगने वाले ज्यादा समय पर। क्योंकि सबके सेंटर 500 से 600 किमी दूर तय कर दिए गए हैं। आयोग के अध्यक्ष सत्यनारायण साबत से सवाल पूछे, उन्होंने कहा कि आयोग परीक्षा में नकल रोकने के लिए कदम उठाता है। परीक्षा केंद्र अब ऑटोमेशन से तय होते हैं। इसलिए इस बार केंद्र थोड़े दूर आवंटित हुए हैं।



PET-2026 की परीक्षा 25, 30 अक्टूबर और 1 नवंबर को होगी। इसमें करीब 35 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की सरकारी नौकरियों के लिए यह प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पास करना जरूरी है। इसके बाद ही अभ्यर्थी ग्रुप-बी और ग्रुप-सी के पदों पर भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

परीक्षा में 10 दिन बचे, कन्फर्म सीट नहीं मिल रही

परीक्षा में अब सिर्फ 10 से 15 दिन का वक्त बचा है। अभ्यर्थियों की शिकायत है कि 500-600 किमी दूर सेंटर होने से ट्रेनों में कन्फर्म टिकट नहीं मिल रहा। कई जिलों के लिए सीधी बस या ट्रेन सुविधा भी नहीं है, जिससे अभ्यर्थियों को एक-दो बार बस या ट्रेन बदलनी पड़ेगी। दूर सेंटर होने की वजह से एक दिन पहले पहुंचना पड़ेगा। आने-जाने का किराया और ठहरने-खाने का खर्च मिलाकर प्रति छात्र 2 हजार रुपए तक का बोझ पड़ेगा। महिला अभ्यर्थियों के सामने दोहरी दिक्कत है, वो घर से बाहर खुद को असुरक्षित महसूस करती हैं।

सिक्किम की आबादी से 5 गुना पीईटी अभ्यर्थी

तीन दिनों तक चलने वाली यह परीक्षा हर दिन दो शिफ्ट में होगी। आयोग ने प्रदेश के 60 जिलों में कुल 1,372 सेंटर बनाए हैं। इस बार रिकॉर्ड 35 लाख 41 हजार 296 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। हर शिफ्ट में औसतन 6 लाख और एक दिन में लगभग 12 लाख अभ्यर्थी परीक्षा देने निकलेंगे। PET परीक्षा देने वाले कुल अभ्यर्थियों की संख्या सिक्किम राज्य की कुल आबादी लगभग 7 लाख से करीब 5-6 गुना ज्यादा है।



क्या परीक्षा के शहर बदले जा सकते हैं? इसका जवाब आयोग के अध्यक्ष ने नहीं दिया।

‘सिर्फ स्क्रीनिंग टेस्ट के लिए इतनी भागदौड़ क्यों’

एडमिट कार्ड जारी होने के बाद से ही अभ्यर्थी सोशल मीडिया पर सेंटर बदलने की मांग कर रहे हैं। उनका तर्क है कि PET सिर्फ ग्रुप-B और ग्रुप-C की सरकारी नौकरियों (लेखपाल, जूनियर असिस्टेंट, VDO) के लिए एक शुरुआती स्क्रीनिंग टेस्ट है। यह कोई फाइनल जॉब देने वाली परीक्षा नहीं है, इसलिए इसके लिए अभ्यर्थियों को इतनी दूर भेजने का कोई मतलब नहीं है।

यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र का शव मिला

किराये के कमरे में रहता था, बिस्तर पर अचेत मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

दुबग्गा। लखनऊ में UPSC की तैयारी कर रहे छात्र का कमरे में शव मिला। वह अकेले किराये के कमरे में रहकर पढ़ाई करता था। शनिवार सुबह मकान मालकिन ने छात्र के कमरे में बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़े होने की परिजनों को सूचना दी। ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। वहीं मकान मालकिन और परिवार के लोगों से पुलिस पुछताछ कर रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। मामला पारा थाना क्षेत्र का है। छात्र 6 महीने से यहां रह रहा था।

सुलतानपुर के रूपीपुर गांव के रहने वाले सौरभ शर्मा लखनऊ के नाजिमनगर में किराये के कमरे में रहकर UPSC की तैयारी कर रहे थे। उनके छोटे भाई सचिन शर्मा के मुताबिक, शनिवार को मकान मालकिन ने सौरभ के कमरे में बिस्तर पर अचेत अवस्था में पड़े होने की सूचना दी। इसके बाद हम लोग कमरे पर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सचिन ने बताया कि सौरभ पढ़ाई के सिलसिले में लखनऊ में रह रहे थे। इसके बाद सचिन ने पारा थाने में प्रार्थना पत्र देकर उचित कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।



फास्ट न्यूज

डिवाइडर की रेलिंग तोड़कर पलटी कार, 1 मौत

मोहनलालगंज । लखनऊ में शुक्रवार देर रात करीब डेढ़ बजे तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग तोड़ते हुए सड़क के दूसरी ओर पलट गई। हादसे में कार सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को पीजीआई स्थित एपेक्स ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। यहां डॉक्टरों ने रायबरेली निवासी उत्कर्ष (26) को मृत घोषित कर दिया। चार अन्य घायलों का इलाज चल रहा है।

हजरतगंज में दो पक्षों में मारपीट

लखनऊ । लखनऊ के हजरतगंज में साहू सिनेमा के पास शुक्रवार देर रात खाने को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। वहां पर आए लोगों ने दुकानदार व अन्य लोगों के साथ जमकर मारपीट की। दबंगों ने दौड़ा-दौड़ा कर हजरतगंज में मारा पीटा। इस दौरान मौके पर पुलिस पहुंची लेकिन दबंग उनके सामने भी मारपीट करते रहे। किसी तरह पुलिस सभी को कंट्रोल कर थाने लेकर गई। हजरतगंज साहू सिनेमा के सामने शुक्रवार रात करीब 11 बजे बवाल हो गया। जिसका वीडियो वहां से गुजर रहे लोगों ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में साफ तौर पर कई लोग मारपीट करते हुए नजर आ रहे हैं।

लखनऊ में सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित

लखनऊ । लखनऊ में वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सद्भावना समिति की ओर से इस्माइलगंज स्थित होटल डायमंड पैलेस में सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग से हुआ। इसमें इंदिरा नगर के ए-ब्लॉक की महिलाओं ने वंदे मातरम् की प्रस्तुति दी।

एमजी बिल्डर्स की डायरेक्टर समेत 7 पर ठगी की एफआईआर

लखनऊ में प्लॉट के नाम पर 80 लाख रुपए लिए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के विभूतिखंड में MG बिल्डर्स की डायरेक्टर सुमिता मिश्रा समेत सात लोगों के खिलाफ प्लॉट के नाम पर करीब 80 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप में छह एफआईआर दर्ज की गई हैं। आरोपियों पर 10 लोगों से प्लॉट दिलाने के नाम पर रकम लेने और बाद में रजिस्ट्री नहीं करने का आरोप है। पीड़ितों का कहना है कि रुपए वापस मांगने पर उन्हें धमकाया गया। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने मुकदमे दर्ज किए हैं।

फतेहपुर के आलमपुर सतारा लंगर निवासी प्रियंका उमराव के मुताबिक, 2022 में एक रिश्तेदार ने उनकी मुलाकात एमजी बिल्डर्स के एजेंट प्रियांशु दीक्षित से कराई थी। प्रियांशु ने उन्हें निवेश के लिए प्लॉट खरीदने का सुझाव दिया। सहमति देने पर वह प्रियंका को विभूतिखंड स्थित कंपनी के कार्यालय ले गया।



वहां उनकी मुलाकात निदेशक सुमिता मिश्रा और कर्मचारियों सुचित पांडेय, सौरभ, साक्षी, शशांक सिंह व हिमांशु शर्मा से हुई। आरोप है कि सभी ने उन्हें सरोजनीनगर के पिपरसंड गांव में प्लॉट का नक्शा दिखाकर निवेश के लिए राजी किया। प्रियंका ने 10.11 लाख रुपये में प्लॉट बुक कराया। इसके बाद उनकीब रिश्तेदार रूबी ने 6.40 लाख, सुनीता राय ने 8 लाख, सोनिका ने 2.53 लाख और रश्मि ने 7 लाख रुपये में प्लॉट बुक कराया। सभी ने कंपनी में रकम जमा कर दी, लेकिन उनके नाम रजिस्ट्री नहीं की गई। अन्य लोगों से भी लाखों रुपए लिए

एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन, हाईवे-एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित जगहों पर रहेंगे तैनात

हाईवे-एक्सप्रेसवे पर बढ़ेगी सुरक्षा

- सड़क हादसों को रोकने के लिए अनफिट और असुरक्षित वाहनों पर होगी कार्रवाई
- कोहरे में सड़क सुरक्षा के लिए रिफ्लेक्टिव संकेतक और सफेद पट्टियां सही करने के निर्देश
- राहत आयुक्त के निर्देश, सड़क सुरक्षा व्यवस्था की नियमित जांच और कमियां तत्काल दूर करने पर जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में शीतलहर और घने कोहरे के दौरान हादसों पर अंकुश लगाने के लिए योगी सरकार ने सड़क सुरक्षा के इंतजाम मजबूत करने की तैयारी शुरू कर दी है। राष्ट्रीय राजमार्गों, राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने पर विशेष जोर दिया गया है, ताकि हादसा होने की स्थिति में घायलों को तत्काल सहायता और समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। राहत आयुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद ने संबंधित विभागों और कार्यदायी संस्थाओं को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रमुख चौराहों, तिराहों, क्रॉसिंग, मोड़ों और दुर्घटना संभावित स्थलों पर स्टॉप लाइन, जेब्रा क्रॉसिंग व यातायात संकेतकों को दुरुस्त रखा जाएगा। जरूरत के अनुसार चेतावनी संकेतक और गति सीमा से जुड़े बोर्ड भी लगाए जाएंगे। इन व्यवस्थाओं से कोहरे के दौरान वाहन चालकों को सड़क की स्थिति और संभावित खतरों के बारे में समय रहते जानकारी मिल सकेगी। राहत आयुक्त ने निर्धारित सुरक्षा मानकों के अनुरूप नहीं चलने वाले अनफिट वाहनों और जुगाड़ से निर्मित असुरक्षित वाहनों के संचालन पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए हैं। परिवहन विभाग और यातायात पुलिस आपसी समन्वय से जांच और प्रवर्तन कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे, ताकि असुरक्षित वाहनों से होने वाले संभावित हादसों को रोका जा सके।



दुर्घटना संभावित स्थलों पर तैनात रहेंगे एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन

राहत आयुक्त ने राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों और एक्सप्रेसवे पर दुर्घटना संभावित स्थलों के आस-पास पर्याप्त संख्या में पेट्रोलिंग वाहन, एंबुलेंस और रेस्क्यू वाहन उपलब्ध रखने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य हादसे की स्थिति में घायलों तक जल्द पहुंचना और उन्हें बिना देरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। सर्दियों में घने कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में राहत एवं बचाव व्यवस्था को पहले से तैयार रखना महत्वपूर्ण है।



रिफ्लेक्टिव संकेतक और सफेद पट्टियां स्पष्ट रखने के निर्देश

सड़क सुरक्षा के लिए हाईवे और एक्सप्रेसवे पर लगे रिफ्लेक्टिव चिह्नों, कैट्स आई, दिशासूचक बोर्ड और अन्य संकेतकों की नियमित जांच करने के लिए कहा गया है। राहत आयुक्त ने सड़क की बॉर्डर लाइन और मध्य रेखा पर बनी सफेद पट्टियों को स्पष्ट रखने के निर्देश दिए हैं। धूल से ढकी, मिट चुकी या उखड़ी पट्टियों का तत्काल नवीनीकरण कराया जाएगा, ताकि कम दृश्यता के दौरान वाहन चालकों को सड़क की सीमा और दिशा समझने में परेशानी न हो।

सीएचसी के रूप में उच्चीकृत होंगे जलभराव प्रभावित क्षेत्र के भी पीएचसी, 132 केवीए का नया सब स्टेशन बनेगा

फैजुल्लागंज को हर साल की बाढ़ से मिलेगी स्थायी मुक्ति

- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उच्चस्तरीय बैठक में राजधानी को जलभराव से बचाने का बड़ा रोडमैप तैयार
- गोमती के बैकफ्लो को रोकने के लिए लगेंगे 12 नए फ्लड पंपिंग स्टेशन, न्याय विहार से एल्डिको ड्रेन तक बिछेगा जल निकासी का नेटवर्क
- फैजुल्लागंज में शीघ्र खुलेगा प्री-प्राइमरी से 12वीं तक का एक नया शैक्षणिक संस्थान
- प्रभावित क्षेत्रों में स्वच्छता, फॉगिंग और स्वास्थ्य सेवाओं को युद्धस्तर पर जारी रखने के मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के फैजुल्लागंज में इस वर्ष अतिवृष्टि के कारण हुए जलभराव जैसी समस्या भविष्य में न हो, इसके लिए राज्य सरकार ने बड़ी तैयारी शुरू कर दी है। शनिवार को रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वपूर्ण बैठक में यह तय हुआ कि आईआईएम रोड से पक्कापुल तक गोमती नदी के बाएं तट पर लगभग 5.5 किलोमीटर लंबे तटबंध का निर्माण कराया जाएगा। यही नहीं, गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने पर नालों से पानी की निकासी बाधित होने की समस्या के समाधान के लिए 12 नए पंपिंग स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे और न्याय विहार से एल्डिको ड्रेन तक जल निकासी का विस्तृत नेटवर्क तैयार किया जाएगा। सिंचाई, नगर विकास, आवास, स्वास्थ्य, राजस्व और ऊर्जा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुई इस बैठक में मुख्यमंत्री और रक्षामंत्री ने बाढ़ एवं जलभराव प्रभावित क्षेत्रों की स्थिति, राहत एवं बचाव कार्यों तथा समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रस्तावित परियोजनाओं की समीक्षा की। बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, स्थानीय विधायक डॉ. नीरज बोरा और महापौर सुषमा खर्कवाल भी उपस्थित रहीं। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन द्वारा अब तक किए गए राहत प्रयासों के लिए आभार भी जताया। बैठक में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने लखनऊ में भविष्य के दृष्टिगत पेयजल की उपलब्धता का आकलन करते हुए आवश्यक प्रबंध करने की जरूरत बताई। विधायक नीरज बोरा ने फैजुल्लागंज क्षेत्र के प्रभावित परिवारों की समस्याओं से अवगत कराते हुए सीवरेज व्यवस्था को दुरुस्त करने, एसटीपी की आवश्यकता और ट्रांसफार्मरों के सुधार की जरूरत पर बल दिया। महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि क्षेत्र में लगभग 6,500 घर प्रभावित हुए हैं और नगर निगम प्रशासन प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद पहुंचाने के लिए 24×7 तत्पर है।



आईआईएम रोड से पक्कापुल तक बनेगा 5.5 किमी लंबा तटबंध

शिक्षा, स्वास्थ्य और बिजली के बुनियादी ढांचे का होगा कायाकल्प

मुख्यमंत्री ने रक्षामंत्री द्वारा रखे गए बिंदुओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश देते हुए कहा कि आपदा की इस घड़ी में सरकार हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। क्षेत्र के समग्र विकास पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि फैजुल्लागंज में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और सुलभ शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए शीघ्र ही प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के एक नए समन्वित शैक्षणिक संस्थान की स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही, उन्होंने क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए जलभराव प्रभावित क्षेत्र के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के रूप में उच्चीकृत करने तथा निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए 33 केवीए के स्थान पर 132 केवीए का नया सब-स्टेशन स्थापित करने के भी निर्देश दिए।

एलयू में हॉस्टल आवंटन के खिलाफ धरने पर बैठे छात्र

पात्रों को मेरिट पर हॉस्टल देने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में हॉस्टल आवंटन में कथित धांधली और भेदभाव के आरोपों को लेकर छात्रों का अनिश्चितकालीन धरना शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। छात्रों का कहना है कि अब तक विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से उनकी मांगों पर कोई उचित जवाब नहीं दिया गया है। उन्होंने खाली सीटों का हिसाब सार्वजनिक करने और मेरिट के आधार पर पात्र छात्रों को हॉस्टल आवंटित करने की मांग की।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों ने कहा कि हॉस्टल आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता होनी चाहिए। पात्र होने के बावजूद जिन छात्रों को हॉस्टल नहीं मिला है, उन्हें आवंटन दिया जाए। छात्रों ने आरोप लगाया कि मौजूदा प्रक्रिया से उनके साथ अन्याय हो रहा है। छात्रों ने साफ किया कि जब तक विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी गलती नहीं सुधारता और पात्र छात्रों को हॉस्टल आवंटित नहीं करता, तब तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। उन्नाव के पुरनखेड़ा, त्रिपुरारपुर निवासी कार्तिकेय पटेल ने एमए लोक प्रशासन में 19वीं रैंक हासिल की है। इसके बावजूद उन्हें छात्रावास आवंटित नहीं हुआ है। विद्यार्थियों का कहना है कि अच्छे शैक्षणिक प्रदर्शन और दूर-दराज से आकर पढ़ाई करने के बावजूद छात्रावास नहीं मिलने से उनकी पढ़ाई और रहने की व्यवस्था प्रभावित हो रही है।



वारदात : एक आंख की रोशनी गई, शरीर के कई हिस्से झुलसे, अवैध संबंध का शक था

चाचा ने सोते समय भतीजे पर तेजाब फेंका

तमसा संकेत, एजेंसी

मॉल (मलिहाबाद), लखनऊ। लखनऊ में अवैध संबंधों के शक में एक व्यक्ति ने अपने मुंहबोले भतीजे पर सोते समय तेजाब फेंक दिया। हमले में युवक के शरीर के कई हिस्से झुलस गए, जबकि उसकी एक आंख भी खराब हो गई। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी गहरे घाव हैं। युवक को पहले मलिहाबाद सीएचसी ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत में केजीएमयू रेफर कर दिया गया।

घटना रहीमाबाद में गुरुवार देर रात की है। पीड़ित के पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी राजेंद्र कुमार उर्फ राजन रावत को गिरफ्तार कर लिया। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। आरोप है कि कुछ देर बाद राजन तेजाब से भरा प्लास्टिक का डिब्बा लेकर पहुंचा और सोते समय मनीष पर तेजाब फेंक दिया। मनीष की आंख खुली, लेकिन तब तक उसके शरीर के कई हिस्से झुलस चुके थे। तेजाब के छींटे राजन की पत्नी पर भी पड़े, जिससे उसके हाथ में घाव हो गया। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल मनीष को मलिहाबाद सीएचसी पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर उसे केजीएमयू रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान उसकी एक आंख खराब होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसे मनीष पर अपनी पत्नी से अवैध संबंध होने का शक था। इसी शक के चलते उसने करीब दो साल पहले बैटरी की दुकान से लगभग आधा लीटर तेजाब भरकर रखा था। आरोपी ने दावा किया कि गुरुवार रात उसने मनीष को पत्नी के साथ आपत्तिजनक हालत में देख लिया था।



पति-पत्नी के बीच कहासुनी

संत नगर निवासी मुनेश्वर के मुताबिक, उनके भाई मनीष की पड़ोस में रहने वाले राजेंद्र कुमार उर्फ राजन रावत से अच्छी दोस्ती थी। दोनों मुंडन, शादी और बारात जैसे कार्यक्रमों में कैटरिंग का काम करते थे। दोस्ती के चलते मनीष अक्सर राजन के घर पर ही रुक जाता था।

गुरुवार देर रात मनीष राजन के घर के कमरे में लेटा था। इस दौरान राजन और उसकी पत्नी के बीच कहासुनी हुई। मनीष ने दोनों को समझाने का प्रयास किया। मामला शांत होने के बाद वह चादर ओढ़कर सो गया।



पुलिस ने आरोपी राजेंद्र कुमार को गिरफ्तार किया।

पीड़ित के पिता बाराती लाल की तहरीर पर रहीमाबाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया। पुलिस ने आरोपी को गांव से करीब एक किलोमीटर दूर चिहूंटा गांव के पास से गिरफ्तार किया। शनिवार को उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

दशहरे की तैयारी तेज रावण के 200 पुतले तैयार

कहीं 4 तो कहीं 40 फीट के रावण, ऊंचाई से तय हो रही कीमत

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में नवरात्रि के साथ दशहरे की तैयारियां भी तेज हो गई हैं। शहर में जगह-जगह दुर्गापूजा और रामलीला का मंचन हो रहा है। दशहरा नजदीक आते ही शहर में रावण के पुतले तैयार करने का काम तेज हो गया है। पॉलिटेक्निक चौराहे से लेकर डालीगंज बांस मंडी और पुरनिया तक कारीगर दिन-रात पुतले बनाने में जुटे हैं। कहीं 4 फीट का रावण तैयार हो रहा है तो कहीं 32 से 40 फीट तक के पुतलों के ऑर्डर मिले हैं। कारीगरों के मुताबिक, अब तक छोटे-बड़े मिलाकर करीब 200 पुतले तैयार हो चुके हैं। इनकी ऊंचाई 4 से 40 फीट तक है। कुछ कारीगर 80 फीट तक के पुतले बनाने की क्षमता भी बताते हैं। कीमत 100 रुपए से शुरू होकर 20 हजार रुपए या इससे अधिक तक पहुंचती है। पुतले का आकार, गोलाई और ग्राहक की मांग कीमत तय करते हैं। डालीगंज में यह काम करीब 100 से 150 साल से चला आ रहा है।



पॉलिटेक्निक चौराहे के पास राजा भैया सात साल से पुतले बना रहे हैं। उनके यहां चार से 20 फीट तक के पुतले तैयार होते हैं। कीमत 200 रुपए से शुरू होकर 10 हजार रुपए तक जाती है। ग्राहक की जरूरत के अनुसार पुतला तैयार कर सौंप दिया जाता है। इसी क्षेत्र में काम करने वाले मोबीन ने बताया कि उनकी टीम पांच से 80 फीट तक के पुतले बना सकती है। हालांकि, अब तक अधिकतम 20 फीट का पुतला तैयार किया गया है। उनके मुताबिक, 20 फीट के पुतले की कीमत करीब 10 हजार रुपए से शुरू होती है।

मोबीन ने बताया कि उनकी टीम पांच से 80 फीट तक के पुतले बना सकती है। हालांकि, अब तक अधिकतम 20 फीट का पुतला तैयार किया गया है।

मोबीन ने बताया कि उनकी टीम पांच से 80 फीट तक के पुतले बना सकती है।

लखनऊ में बाढ़ के बाद कॉलोनियों में कीचड़ भरा, प्रयागराज में आश्रम बहा

सीतापुर में कमर तक पानी में धान काट रहे किसान



लखनऊ में गामती का पानी घटा, गंदगी से बीमारियां बढ़ीं



तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज। यूपी में बाढ़ मुसीबत बनी हुई है। लखनऊ और सीतापुर में बाढ़ का पानी कम होने लगा है, लेकिन जलभराव से हालात बिगड़े हुए हैं। सीतापुर में सैकड़ों बीघा धान की फसल डूबी हुई है। किसान कमर तक पानी में फसल काट रहे हैं। लखनऊ में गोमती का जलस्तर घटने के बाद कॉलोनियों में कीचड़ भर गया है। गलियां कचरे से पट गई हैं। बदबू के बीच लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। उल्टी-दस्त और वायरल बुखार के मरीज बढ़ गए हैं। डेंगू के 16 नए मरीज मिले हैं। सीतापुर के रामपुर मथुरा क्षेत्र में चौका नदी का जलस्तर घटने लगा है, लेकिन कई गांवों में धान के खेतों में अब भी कमर तक पानी भरा है। किसान पानी में धान की कटाई कर रहे हैं, ताकि बर्बाद फसल का कुछ हिस्सा बचा सकें। लखनऊ के फैजुल्लागंज में बाढ़ का पानी घटने लगा है, लेकिन गंदगी से लोगों की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। कई इलाकों में उल्टी-दस्त और वायरल बुखार के मरीज बढ़ रहे हैं। बदबू के बीच रहना मुश्किल हो रहा है। संक्रमण के डर से कई परिवार अब भी घरों में लौटने से बच रहे हैं।



प्रयागराज के झूसी में गंगा के बीच बना 20 साल पुराना 3 मंजिला आश्रम ढह गया। मलबे में 3 लोग दब गए। 2 को बचा लिया गया। तीसरे की तलाश जारी है। इधर, शनिवार को पूरे प्रदेश में मौसम साफ है। आज कहीं भी बारिश का अलर्ट नहीं है।

गोंडा में घाघरा नदी खतरे निशान से नीचे आई, किसानों को राहत

गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर लगातार घटने से तटीय इलाकों में कटान थम गई है। किसानों ने राहत की सांस ली है। खेतों में खड़ी धान और गन्ने की फसल को बचाने में जुट गए हैं। तटीय क्षेत्र के 10 से अधिक गांवों में बाढ़ का प्रभाव कम हुआ है। हालांकि, तरबगंज तहसील का ब्योन्दा माझा गांव अभी आंशिक रूप से प्रभावित है।



बहराइच में घर में घुसा मगरमच्छ, वन विभाग ने रेस्क्यू किया

बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के मोतीपुर रेंज में शुक्रवार सुबह एक मगरमच्छ ग्रामीण के घर में घुस गया। घटना बढ़ईया कलां के बानपुरवा गांव की है। मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद उसे सुरक्षित पकड़ लिया।

चलती ऑटो में शिक्षक को लूटने के 2 आरोपी अरेस्ट

यूपीआई के जरिए 43,600 रुपए ट्रांसफर किए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में चलती ऑटो में शिक्षक को पीटकर लूटने के मामले में हनुमंत विहार पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने शिक्षक से मोबाइल और नकदी लूटने के बाद UPI पिन पूछकर उनके खाते से 43,600 रुपये भी ट्रांसफर करा लिए थे। इसके बाद उन्हें भौंती बाइपास के पास चलते ऑटो से नीचे फेंककर फरार हो गए थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से लूटा गया मोबाइल और कुछ नकदी बरामद की है। वारदात में इस्तेमाल ऑटो और दो अन्य आरोपी अभी फरार हैं।कानपुर देहात के अकबर-पुर के गोपाल विहार निवासी हरविंद कुमार गोंडा बेसिक शिक्षा विभाग में सहायक शिक्षक हैं। बीती 9 अक्टूबर को वह पितृ विसर्जन के लिए अवकाश लेकर घर लौट रहे थे। रात करीब 9:40 बजे उन्होंने नौबस्ता चौराहे से भौंती बाइपास जाने के लिए ई-आटो में सवार हुए। उसमें पहले से तीन-चार लोग सवार थे। आटो के एलिवेटेड ट्रैक पर पहुंचते ही चालक के पास बैठा युवक पीछे आकर बैठ गया। इसके बाद बदमाशों ने शिक्षक को दोनों ओर से घेरकर पीटा और मोबाइल व जेब में रखी नकदी छीन ली। आरोपितों ने यूपीआइ पिन पूछकर उनके खाते से 43,600 रुपये भी ट्रांसफर कर लिए। इसके बाद चलते आटो से शिक्षक को भौंती बाइपास के पास नीचे फेंककर फरार हो गए थे।



फास्ट न्यूज

बस में खून की उल्टियां होने से यात्री की मौत

बिल्हौर । अरौल में दिल्ली से आजमगढ़ जा रही बस में शनिवार तड़के एक यात्री की अचानक तबीयत बिगड़ गई। यात्री को खून की उल्टियां होने लगीं तो बस में हलचल मच गई। चालक और परिचालक ने तत्काल बस रुकवाकर एंबुलेंस की मदद से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिल्हौर पहुंचाया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। डॉक्टर ने परीक्षण के बाद यात्री को मृत घोषित कर दिया।

आगरा विश्वविद्यालय में बीएससी कृषि के छात्रों का हंगामा

आगरा । आगरा में डॉ भीमराव आंबेडकर विश्वविद्या-लय में शनिवार को BSC कृषि के छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक कार्यालय पर प्रदर्शन किया। इस दौरान गुस्साए छात्रों ने कार्यालय के गेट पर परीक्षा नियंत्रक लापता के पोस्टर चिपका दिए। इसके अलावा छात्रों ने परीक्षा नियंत्रक को खोजकर लाने पर 11 रुपए का इनाम रख दिया। छात्रों ने परीक्षा परिणामों में गड़बड़ी, नंबर कम होने, लंबित रिजल्ट और परीक्षा में शामिल होने के बावजूद अनुपस्थित दिखाने जैसी शिकायतें उठाईं।

आगरा में किसान गोष्ठी आयोजित

आगरा। आगरा के फतेहाबाद में शनिवार को एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें करीब 400 किसानों ने भाग लिया। गोष्ठी का संचालन इसराइल केमिकल लिमिटेड और हरिविलास ओमप्रकाश फर्म द्वारा किया गया। गोष्ठी में किसानों ने अपनी समस्याएं विशेषज्ञ जीपी शर्मा के समक्ष रखीं। किसानों ने बताया कि वर्तमान में आलू की फसल में सबसे बड़ी समस्या चेचक रोग बन गया है, जिसके कारण वे अच्छा उत्पादन और गुणवत्ता नहीं ले पा रहे हैं।

यूपी में बैडटच करने पर सरकारी डॉक्टर की पिटाई

अल्ट्रासाउंड के समय गंदी हरकत की, युवती ने शोर मचाकर लोगों को बुलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

सिद्धार्थनगर । सिद्धार्थनगर में बैड टच के आरोप में एक सरकारी डॉक्टर की पिटाई कर दी गई। आरोप है कि डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड के दौरान युवती के प्राइवेट पार्ट को छुआ। विरोध करने पर भी डॉक्टर नहीं माने तो युवती ने शोर मचाकर लोगों को बुला लिया। इसके बाद लोगों ने डॉक्टर को पीट दिया।

मामला जिला मुख्यालय से करीब 22 किमी दूर बांसी कोतवाली तिराहे के पास स्थित डायमंड डायग्नोस्टिक सेंटर का है। डॉक्टर की पहचान सरकारी अस्पताल में तैनात डॉ.एलएस सिंह के रूप में हुई है। पिटाई का वीडियो शुक्रवार शाम सामने आया। घटना 13 अक्टूबर की



बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, मामले में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया है।

2 मिनट 6 सेकेंड के वीडियो में डॉक्टर कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे हैं। कुछ लोग उन्हें थप्पड़ मार रहे हैं। इस दौरान युवती रोती रही। वीडियो में पुलिसकर्मी भी मौके पर दिखाई देते हैं, लेकिन वे डॉक्टर की पिटाई कर रहे लोगों को रोक नहीं पाए।

बांसी के 50 बेड वाले सरकारी अस्पताल में डॉ.एलएस सिंह रेडियोलॉजिस्ट के रूप में तैनात हैं। 13 अक्टूबर को वह डायमंड डायग्नोस्टिक सेंटर नाम के एक प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर में जांच करने पहुंचे थे। इसी दौरान उस सेंटर पर क्षेत्र की एक 20 साल की युवती अल्ट्रासाउंड कराने पहुंची। दोपहर करीब 2 बजे लड़की का नंबर आया। उसे अल्ट्रासाउंड रूम में ले जाया गया। युवती ने आरोप लगाया कि जांच के दौरान डॉक्टर उसके प्राइवेट पार्ट को गलत तरीके से छूने लगा। उसकी हरकत का विरोध किया तो भी वह नहीं माना। युवती डर के मारे जोर से चिल्लाने लगी।

जज ने फैसले में सती सावित्री ■ अर्धांगिनी का जिक्र किया

पति को सांप से डसवाया फांसी सुनते ही बेहोश हुई

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । "अमित कश्यप की हत्या ने समाज में वैवाहिक जीवन की नींव को हिला दिया। जिस पत्नी रविता के हाथों पति अमित को रक्षा की उम्मीद थी, उसी ने पति की सांसें छीन लीं। यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते की निर्मम हत्या है। कलयुगी रविता ने सती सावित्री के आदर्शों को तार-तार किया।" ये बातें मेरठ के ADJ-12 जयवीर सिंह नागर ने अपने जजमेंट में लिखी हैं। उन्होंने आगे लिखा- जिस पति ने विश्वास करके उसे अपने घर की लक्ष्मी बनाया, अपने तीन बच्चों की मां बनाया। उसी पति की गर्दन को पत्नी ने अपने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर घोंट दिया। ये अपराध की जघन्यता,



क्रूरता है। रविता-अमरदीप दोनों को केवल आजीवन कारावास देना पर्याप्त नहीं होगा, इसलिए दोनों को मृत्युदंड दिया जाता है। शुक्रवार शाम फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद अमरदीप-रविता को कैदियों की बैरक में शिफ्ट किया गया। दोनों बार-बार रो रहे थे। बैरक में खाना भेजा गया, लेकिन दोनों ने छुआ तक नहीं। रविता को तेज बुखार आ गया और वह बेहोश हो गई। हमारे वेदों, पुराणों में कहा गया है -'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता। सावित्री ने अपने पति सत्यवान के प्राण यमराज से वापस छीन लिए थे, यही है भारतीय नारी का आदर्श। लेकिन, इस कलयुगी मामले में रविता ने सावित्री के आदर्शों को तार-तार कर दिया।

'पति-पत्नी का रिश्ता 7 जन्मों के अटूट संस्कार का'

अपर जिला जज जयवीर सिंह नागर ने कहा- अमित कश्यप की हत्या ने समाज में वैवाहिक जीवन की नींव को हिला दिया। पति-पत्नी का रिश्ता केवल एक दाम्पत्य बंधन नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, समर्पण और 7 जन्मों के अटूट पवित्र संस्कार पर आधारित माना जाता है। शास्त्रों में धर्मपत्नी को अर्धांगिनी की संज्ञा दी गई है।

पति-पत्नी एक-दूसरे के जीवन के रक्षक माने जाते हैं। ये केवल एक व्यक्ति की हत्या का मामला नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति की आत्मा पर किया गया गहरा प्रहार है। यह पति-पत्नी के पवित्र रिश्ते की निर्मम हत्या है। यह समाज को झकझोर देने वाला कृत्य है। हिन्दू धर्मशास्त्रों में पत्नी को 'अर्धांगिनी' कहा गया है, जिसका अर्थ है पति के शरीर का आधा अंग। पत्नी को 'धर्मपत्नी' इसलिए कहा जाता है कि वह पति के धर्म, कर्म, सुख-दुःख की सहभागी होती है।

कोल्ड स्टोरेज मैनेजर की बेटी की मौत, भीड़ ने ड्राइवर को पीटा, नशे में था

बेकाबू डीसीएम ने 3 लड़कियों को रौंदा

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में शनिवार रात तेज रफ्तार DCM ने 3 लड़कियों को रौंद दिया। हादसे में कोल्ड स्टोरेज मैनेजर की 22 साल की बेटी की मौत हो गई। जबकि, 2 लड़कियां घायल हुई हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा 9:10 बजे हुआ। थाना ट्रांस यमुना क्षेत्र के कालिंदी विहार में 4 लड़कियां सड़क किनारे टहल रही थीं। तभी पीछे से आए बेकाबू DCM ने चारों को टक्कर मार दी।

मैनेजर की छोटी बेटी दूर जा गिरी। लेकिन बड़ी बेटी DCM के अगले बंफर में फंस गई। वह करीब 25 फीट तक घिसटती चली गई। आगे जाकर DCM ड्राइवर ने दूसरी गाड़ी को भी टक्कर मार दी। राहगीरों के शोर मचाने पर ड्राइवर गाड़ी छोड़कर भागने लगा। लोगों



ने दौड़ाकर उसे पकड़ा और पिटाई कर दी। पुलिस ने तीन घायल लड़कियों को अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने मैनेजर की बड़ी बेटी को मृत घोषित कर दिया गया। आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया गया है। वह नशे की हालत में था। घटना का CCTV सामने आया है। कालिंदी विहार के H-ब्लाक में रहने वाले मनमोहन सिंह प्रकाश कोल्ड स्टोरेज में मैनेजर हैं। कैला देवी मंदिर के सामने खुशबू जुरैल (22) अपनी बहन भूमि (18), पड़ोसी शिखा कुशवाह के साथ अपनी सहेली निशा चौधरी (20) निवासी गोविंद कॉलोनी को छोड़ने आई थीं। सभी सड़क किनारे पैदल चल रही थीं। तभी तेज रफ्तार डीसीएम आई। खुशबू की बहन भूमि ने बताया- हम लोग आईसीसी स्कूल के सामने टहल रहे थे। तभी पीछे से डीसीएम वाले ने हम लोगों टक्कर मार दी। मेरी दीदी के साथ निशा और शिखा दीदी थी। मैं तो साइड हट गई, मेरे चोट नहीं लगी।

मेरी खुशबू दीदी डीसीएम में फंस गई। मौके पर एक भैया थे। उन्होंने हमारी बहन को निकाला। उन्होंने ही सभी को अस्पताल पहुंचाया। मेरी बहन की मौत हो गई है। वह एमकाम कर रही थीं।

दो लड़कियां दूर जाकर गिरीं



डीसीएम ने तीन लड़कियों को चपेट में ले लिया। खुशबू डीसीएम के साथ घिसटती गई। जबकि, शिखा और निशा टक्कर से दूर जाकर गिरीं। इसके बाद डीसीएम दूसरे वाहन से टकरा गई। हादसे के बात चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने ड्राइवर को पकड़ लिया। राहगीर तीनों घायल लड़कियों को तुरंत पास के चौहान हॉस्पिटल ले गए। जहां गंभीर हालत होने पर उसे हरिपर्वत के अतुल हॉस्पिटल रेफर कर दिया। रास्ते में खुशबू की मौत हो गई। बाकी दोनों लड़कियों का इलाज चल रहा है।

होमगार्ड भर्ती में डॉक्टरों ने तीन लाख रिश्वत ली

एक लाख का ऑनलाइन ट्रांजेक्शन मिला

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में होमगार्ड भर्ती के दौरान मेडिकल जांच में डॉक्टरों ने अभ्यर्थियों से जमकर वसूली की। ENT विशेषज्ञ डॉक्टर प्रवीण कुमार के पास पुलिस को 30,500 रुपए कैश मिला, जबकि तीन खातों में यूपीआई के जरिए घूस का एक लाख रुपया लिया गया। 22 अभ्यर्थियों से तीन लाख रुपए लिए जाने के सबूत पुलिस को मिले हैं। पुलिस को डॉक्टर प्रवीण के ड्राइवर के पास से एक लिस्ट मिली है, जिसमें अभ्यर्थियों के नाम और उनसे वसूले गए रुपए का लेखा-जोखा है। इस मामले में पुलिस ने पैनल में शामिल डॉक्टर प्रवीण कुमार, उसके ड्राइवर अजीत और डॉ. महेश द्विवेदी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस डॉक्टर प्रवीण कुमार, अजीत और डॉ. महेश द्विवेदी का मेडिकल कराने उर्सला



लेकर पहुंची। जहां प्रवीण कुमार ने एंजाइना (सीने में होने वाला दर्द या बेचैनी), महेश ने सर्वाइकल और अजीत ने हेड इंजरी होने का हवाला देते हुए तबीयत बिगड़ने की बात कही। जिसके बाद उन्हें पुलिस ने उर्सला अस्पताल में एडमिट कराया, लेकिन कोतवाली थाने में तीनों आरोपियों की हालत ठीक थी। तीनों अपने रिश्तेदारों और परिचितों से खूब बातचीत कर रहे थे। पुलिस लाइन में 15 अक्टूबर को होमगार्ड भर्ती परीक्षा के लिए परीक्षार्थियों के दस्तावेज और मेडिकल चेकअप किया जा रहा था।

पृष्ठ 01 का शेष...

'एमएलसी चुनाव में ...

विकसित भारत की कल्पना केवल सड़कों, कारखानों और एक्सप्रेसवे के निर्माण से साकार नहीं होगी। इसके लिए न्याय, अधिकारों और कर्तव्यों पर आधारित व्यवस्था को मजबूत करना होगा। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को बिना भेदभाव सहज और सुलभ न्याय मिलना चाहिए। कानून की सबसे बड़ी पूंजी उसकी धाराएं नहीं, बल्कि आमजन का विश्वास है। यह विश्वास निष्पक्षता, पीड़ित के सम्मान और विधिवेत्ताओं के आचरण से मजबूत होता है। विधिवेत्ताओं को सत्य, धर्म, निष्पक्षता और संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बनाए रखनी होगी।

सीएम योगी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता, संविधान का लागू होना, आपातकाल, न्यायपालिका के ऐतिहासिक निर्णयों और देश में हुए सुधारों को हमारी यात्रा की महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में देखा जा सकता है। 15 अगस्त 1947 को देश स्वतंत्र हुआ और 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू हुआ। 25 जून 1975 को आपातकाल लागू होने की घटना ने 'रूल ऑफ लॉ' और 'रूलर के लॉ' के बीच का अंतर स्पष्ट किया। मई 2014 के बाद देश में सुधारों की प्रक्रिया को गति मिली। अप्रासंगिक हो चुके 1,500 से अधिक कानून समाप्त किए गए। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 कानूनों के 183 प्रावधानों में छोटी-छोटी चूकों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, जीएसटी, अनुच्छेद 370 से संबंधित बदलाव और नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सुधार का अर्थ केवल नए कानून बनाना नहीं, बल्कि उन पुराने कानूनों को हटाना भी है जिनकी प्रासंगिकता समाप्त हो चुकी है।

कैंसर की 137 दवाओं ...

समिति में देशभर के प्रमुख ऑन्कोलॉजिस्ट, मेडिकल विशेषज्ञ, अस्पतालों के विशेषज्ञ और सरकारी अधिकारी शामिल थे।

समिति ने मार्जिन को तर्कसंगत बनाने के लिए 137 दवाओं की सिफारिश की है। इस सूची को समय-समय पर अपडेट किया जाएगा।

उपभोक्ता NPPA की वेबसाइट और 'फार्मा सही दाम' मोबाइल ऐप पर दवाओं की नई कीमतें देख सकते हैं।

कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के लिए राज्य दवा नियंत्रकों को निर्देश दिए गए हैं। वे निर्माताओं, डीलरों, रिटेलरों, अस्पतालों और मेडिकल संस्थानों पर निगरानी रखेंगे।

कांग्रेस के पास ...

DMK संसदीय दल का प्रस्ताव तमिलनाडु की जनता और देशभर के राजनीतिक पर्यवेक्षकों के सामने पार्टी के विरोध का क्रम रखने के लिए तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि SIR के जरिए वैध वोटर्स को वोटिंग के अधिकार से वंचित किया जा रहा है। स्टालिन ने जुलाई 2025 में SIR का विरोध शुरू किया था। उस समय बिहार में बड़ी संख्या में वोटर्स के नाम हटाए गए थे।

DMK ने कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर पर SIR का विरोध कर रही है, लेकिन केरलम और तमिलनाडु में वह इसी तरह की आलोचना से बच रही है। प्रस्ताव में TVK प्रमुख विजय की चुप्पी पर भी सवाल उठाया गया। इसमें SIR और CEC को हटाने की मांग पर उनके रुख का जिक्र किया गया।

गगनयान ने मॉड्यूल ...

पृथ्वी के वायुमंडल में दोबारा प्रवेश से पहले क्रू मॉड्यूल, सर्विस मॉड्यूल से अलग होता है। इसके लिए कई घटनाएं तय क्रम में होती हैं।

ISRO ने सेपरेशन सिस्टम के पूरे डिजाइन की पुष्टि के लिए विक्रम साराभाई सेंटर में ये परीक्षण किए। टेस्ट सेटअप में क्रू मॉड्यूल और सर्विस मॉड्यूल की एक साथ जुड़ी संरचना तैयार की गई थी। पूरी प्रक्रिया की जांच के लिए इसमें बड़ी संख्या में इंस्ट्रूमेंट लगाए गए थे।

ISRO के मुताबिक, इन परीक्षणों से सेपरेशन सिस्टम के डिजाइन की क्षमता की पुष्टि हुई। साथ ही, क्रू मॉड्यूल के कई अहम सिस्टम की मजबूती और झटके सहने की क्षमता भी जांची गई।

इनमें एविओनिक्स सिस्टम, इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम और पिछले हिस्से, शंकु के आकार वाले हीट शील्ड में लगा थर्मल प्रोटेक्शन सिस्टम शामिल है।

क्रू मॉड्यूल डिप्लॉयबल अंबिलिकल शील्ड की भी जांच की गई। इसके अलावा, क्रू मॉड्यूल अप राइटिंग सिस्टम और थर्मल एंड ह्यूमिडिटी कंट्रोल सिस्टम से जुड़े पाइरोटेक्निक डिवाइस भी परीक्षण में शामिल थे।

मॉड्यूल अलग करना क्यों जरूरी है: गगनयान के क्रू मॉड्यूल को पृथ्वी पर लौटना है, जबकि सर्विस मॉड्यूल अंतरिक्ष में जरूरी सेवाएं देता है। वापसी के समय सर्विस मॉड्यूल को अलग करना जरूरी है, ताकि क्रू मॉड्यूल अपने हीट शील्ड के साथ वायुमंडल में प्रवेश कर सके।

दीपके को 24 घंटे ...

उधर SIR के विरोध में कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है।

CJP संस्थापक अभिजीत दीपके के वकील पुष्प शर्मा और पार्टी की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। इससे पहले आज रत्ना सिंह ने ट्वीट कर बताया था कि अभिजीत दीपके को मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन में एसईएम (सब-डिविजनल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट) के सामने पेश किया जाएगा।

दिल्ली में कनॉट प्लेस, संसद मार्ग और जंतर-मंतर पर बैरिकेड्स लगे हुए हैं। हालांकि, सड़कों पर ट्रैफिक की आवाजाही जारी है।

CJP की लीगल अफेयर्स हेड रत्ना सिंह ने पोस्ट कर बताया कि अभिजीत दीपके को दोपहर करीब 12 बजे मंदिर मार्ग पुलिस स्टेशन के SEM के सामने पेश किया जाएगा। इससे पहले थाने के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

केरल के तिरुवनंतपुरम के म्यूजियम पुलिस स्टेशन में दिल्ली पुलिस के खिलाफ जीरो FIR दर्ज की गई है। शिकायतकर्ता दिल्ली यूनिवर्सिटी की लॉ छात्रा और NSUI कार्यकर्ता अथिरा विजयन हैं।

असहमति के साथ ...

CJI सूर्यकांत ने बाद में कहा कि उन्होंने निमंत्रण स्वीकार ही नहीं किया था। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (TISS) ने 2 अगस्त को होने वाला 86वां दीक्षांत समारोह स्थगित किया। संस्थान ने अप्रत्याशित परिस्थितियों का हवाला दिया। रिपोर्ट्स में CJI सूर्यकांत की मौजूदगी को लेकर छात्रों के संभावित विरोध की चिंता बताई गई थी। बाद में समारोह 22 अगस्त को हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. सीएस प्रमेश को बनाया गया। 25 जुलाई को यूनिवर्सिटी के 15वें दीक्षांत समारोह में CJI सूर्यकांत को मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। CJI शामिल नहीं हुए। उनकी जगह सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस पीएस नरसिम्हा ने समारोह की अध्यक्षता की।

कश्मीर के कुपवाड़ा में ...

इसमें चार लोग मारे गए। अधिकारियों ने बताया कि वे भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। मृतकों में लश्कर-ए-तैयबा का एक कमांडर भी शामिल था।

12 अक्टूबर को ही पुंछ जिले के मेंढर सेक्टर के बसोनी इलाके में सेना को बॉर्डर फेंस के पास दो जंग लगी बारूदी सुरंगें मिलीं।

अधिकारियों के मुताबिक, ट्रैक बनाने के दौरान सुबह करीब 8:25 बजे और दोपहर 12:10 बजे इनका पता चला। सेना के विशेषज्ञों ने नियंत्रित विस्फोट के जरिए दोनों सुरंगों को नष्ट कर दिया।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े दो पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया। अधिकारियों के मुताबिक, एक संदिग्ध ओवरग्राउंड वर्कर को भी हिरासत में लिया गया।

घटनास्थल से AK राइफल, M4 कार्बाइन, पिस्तौल और गोला-बारूद बरामद किए गए।

अजीत अगरकर की जगह लेने की दौड़ में आगे, सीएसी ने इंटरव्यू के बाद लिया फैसला

रमेश पोवार बन सकते हैं सीनियर सिलेक्शन कमेटी के सदस्य

जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर रमेश पोवार को BCCI की सीनियर मेंस सिलेक्शन कमेटी में शामिल किया जा सकता है। उन्हें अजीत अगरकर की जगह जिम्मेदारी मिलने की संभावना है।

फिलहाल प्रज्ञान ओझा अंतरिम आधार पर चयन समिति के चेयरमैन की भूमिका निभा रहे हैं।

पोवार ने भारत के लिए दो टेस्ट और 31 वनडे खेले हैं। वह मुंबई के पूर्व भारतीय स्पिनर हैं। इसके अलावा, वह दो अलग-अलग कार्यकाल में भारतीय सीनियर विमेन टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं।



रमेश पोवार दो अलग-अलग कार्यकालों में भारतीय महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच रहे। उन्होंने पहली बार 2018 में यह जिम्मेदारी संभाली थी और बाद में मई 2021 में उन्हें फिर से इस पद पर नियुक्त किया गया था।

पोवार ने जूनियर सिलेक्शन कमेटी के पद के लिए भी इंटरव्यू दिया था। शुरुआत में उन्हें जूनियर चयन पैनल का चेयरमैन बनाए जाने की संभावना थी, लेकिन बाद में उन्हें सीनियर चयन समिति में शामिल करने पर विचार किया गया।

सीनियर चयन समिति के पद के लिए इंटरव्यू देने वाले अन्य उम्मीदवारों में बरौदा के पूर्व खिलाड़ी कॉनर विलियम्स और जैकब मार्टिन भी शामिल थे। वहीं, कर्नाटक के पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज डोडा गणेश को जूनियर चयन समिति का चेयरमैन बनाए जाने की संभावना बताई जा रही है। BCCI की ओर से इस नियुक्ति को लेकर आधिकारिक घोषणा का इंतजार है।

पोवार के नाम पर बनी सहमति

क्रिकबज की रिपोर्ट के मुताबिक, क्रिकेट एडवाइजरी कमेटी ने 14 अक्टूबर को आवेदन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद 15 अक्टूबर को उम्मीदवारों के इंटरव्यू लिए। इस दौरान चार से पांच उम्मीदवारों से बातचीत की गई, जिनमें भारत के पूर्व ओपनर वसीम जाफर भी शामिल थे। CAC ने पोवार के नाम पर सहमति जताई है।

पोवार का सबसे चर्चित विवाद 2018 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान कप्तान मिताली राज के साथ हुआ था। मिताली ने उन पर भेदभाव करने, अपमानित करने और करियर को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। यह विवाद तब और गहरा गया जब मिताली को इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से बाहर कर दिया गया, जिसके बाद पोवार को पद से हटा दिया गया था।



रमेश पोवार ने 10 नवंबर 2015 को क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लिया था।

भारत-वेस्टइंडीज टी-20 से पहले वैभव ने लिखा- अब भी भरोसा

नई दिल्ली, एजेंसी

15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 5वें टी-20 मैच से पहले एक और पोस्ट की है। उन्होंने शुक्रवार रात को इंस्टाग्राम पर लिखा, स्टिल बिलीविंग यानी अब भी भरोसा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को विंडीज की टीम के खिलाफ इस सीरीज में एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है। हालांकि, वैभव टीम में हैं। वैभव ने 4 दिन पहले चौथे टी-20 मैच से पहले भी एक स्टोरी पोस्ट की थी। उसमें उन्होंने 'इंतजार करिए' लिखा था। उनकी उस पोस्ट को 9 लाख 69 हजार यूजर्स ने लाइक किया था। हालांकि, उस मैच में उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला था। पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि 15 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी में उन्हें अपनी बेखौफ बल्लेबाजी की झलक दिखती है। सहवाग ने कहा- 'सूर्यवंशी पहली गेंद से ही शॉट लगाना चाहते हैं।' पिछले महीने हेड कोच गौतम गंभीर ने कहा था कि खिलाड़ी की उम्र 15 हो या 30 साल, अगर उसे मौके का इंतजार करना है तो इंतजार करना होगा। वैभव सूर्यवंशी अब तक खेले 8 मैचों में 186.36 के स्ट्राइक रेट से 246 रन बना चुके हैं।



- 4 दिन में दूसरी पोस्ट इस सीरीज में अब तक मौका नहीं मिला
- सहवाग बोले- उम्र नहीं, प्रदर्शन तय करे भारतीय टीम में जगह
- गंभीर बोले- उम्र 15 हो या 30 साल, मौके का इंतजार करना पड़ेगा

दिल्ली ने मुनाफ की जगह फास्ट बॉलिंग कोच बनाया

चामिंडा वास पहली बार आईपीएल में कोचिंग देंगे

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चामिंडा वास पहली बार IPL में कोचिंग करेंगे। उन्हें दिल्ली कैपिटल्स ने फास्ट बॉलिंग कोच बनाया है। वे अगले IPL सीजन में मुनाफ पटेल की जगह लेंगे। फ्रेंचाइजी ने अपने ऑफिशियल X हैंडल पर लिखा, 'वर्ल्ड कप विजेता और श्रीलंका के अब तक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी। कोच, टाइगर टेरिटरी में आपका स्वागत है।'वास से पहले युवराज सिंह और सौरव गांगुली जैसे बड़े नाम दिल्ली की टीम से जुड़ चुके हैं। युवराज 14 अक्टूबर को बैटिंग और असिस्टेंट कोच बने थे। जबकि 6 अक्टूबर को टीम के हेड कोच बनाए गए थे।



वास पहली बार भारतीय लीग की टीम को कोचिंग देंगे। उनसे पहले मुथैया मुरलीधरन और महेला जयवर्धने जैसे पूर्व क्रिकेटर्स IPL टीमों से जुड़ चुके हैं। वास श्रीलंका के सबसे सफल गेंदबाजों में शामिल हैं। वे 1996 में वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंकाई टीम का हिस्सा रहे हैं। उन्होंने 111 टेस्ट में 355 विकेट और 400 वनडे विकेट लिए हैं।

बुमराह एक साल बाद टेस्ट टीम में

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट और वनडे टीम का ऐलान हो गया है। जसप्रीत बुमराह एक साल बाद टेस्ट टीम में वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी टेस्ट मैच पिछले साल नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेला था। बुमराह वनडे और टी-20 टीम का हिस्सा नहीं होंगे। ऋषभ पंत भी टेस्ट टीम में शामिल किए गए हैं।

शुभमन गिल टेस्ट टीम के कप्तान बरकरार रखे गए हैं। वनडे फॉर्मेट में गिल के साथ-साथ श्रेयस अय्यर भी कप्तान बनाए गए हैं। गिल शुरुआती तीन वनडे में कप्तान होंगे। वहीं, आखिरी दो वनडे में श्रेयस अय्यर कमान संभालेंगे। इस दो मैचों के दौरान गिल के साथ उप कप्तान केएल राहुल को आराम दिया जाएगा। भारत 22 अक्टूबर से 1 दिसंबर तक न्यूजीलैंड दौरे पर रहेगा। इस दौरान टीम 5 टी-20, 5 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेलेगी।

तेज गेंदबाज आकाशदीप सिंह की भी टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

टीम को 3 आईपीएल जिताए, पिछले सीजन 9वें नंबर पर रही थी टीम

मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने इस्तीफा दिया

मुंबई, एजेंसी

मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने ने शनिवार, 17 अक्टूबर को पद छोड़ दिया। 49 साल के जयवर्धने का यह मुंबई इंडियंस के साथ दूसरा कार्यकाल था। वे 2025 सीजन से पहले दोबारा टीम के हेड कोच बने थे। जयवर्धने ने अपने पहले कार्यकाल में मुंबई इंडियंस को 2017, 2019 और 2020 में IPL खिताब जिताए थे।



जयवर्धने हमेशा हमारे परिवार का हिस्सा रहेंगे। उनके शांत स्वभाव, ईमानदारी और क्रिकेट के प्रति लगाव ने टीम के लिए काफी मायने रखा।

नीता अंबानी
मालकिन, मुंबई इंडियंस



टीम 2025 में चौथे स्थान पर रही और क्वालिफायर-2 में हार गई थी। पिछले सीजन में टीम 9वें स्थान पर रही। मुंबई इंडियंस के पास नया हेड कोच चुनने के लिए 15 नवंबर की IPL रिटेंशन डेडलाइन से पहले एक महीने से भी कम समय बचा है। IPL की नीलामी दिसंबर के मध्य के आसपास गोवा में होने की उम्मीद है।

4 साल पहले ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस बने थे जयवर्धने

जयवर्धने ने 2022 में मुंबई इंडियंस के ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस की जिम्मेदारी भी संभाली थी। जयवर्धने ने कहा कि मुंबई इंडियंस उनके क्रिकेट करियर का खास हिस्सा रही है। खिलाड़ियों, कोचिंग स्टाफ, प्रशंसकों और पूरे टीम परिवार ने इस सफर को यादगार बनाया। जयवर्धने ने कहा कि टीम के साथ हासिल की गई उपलब्धियों पर उन्हें गर्व है।

मनोरंजन

नोटिस के बाद अवैध निर्माण के चलते बीएमसी की कार्रवाई, एक्टर की टीम ने इनकार किया

दावा- मुंबई में अजय देवगन के बंगले का हिस्सा तोड़ा

मुंबई, एजेंसी

मुंबई नगर निगम (BMC) ने एक्टर अजय देवगन के जुहू स्थित बंगले में कथित तौर पर बिना अनुमति किए गए निर्माण के खिलाफ कार्रवाई की है। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक नगर निगम ने बंगले में किए गए निर्माण को तोड़ा है। आरोप है कि काम रोकने का नोटिस जारी होने के बावजूद निर्माण जारी था। बातचीत में अजय देवगन के पीआर पराग देसाई ने इन खबरों का खंडन किया है। उनका कहना है कि अजय देवगन के बंगले में BMC की टीम नहीं आई। ये खबरें पूरी तरह से



बेबुनियाद हैं। जिस प्रॉपर्टी को लेकर खबरें आ रही हैं, वह अजय की है और उनके घर से थोड़ी ही दूर है। अजय ने उसे किराए पर दिया हुआ है। संभव है कि बीएमसी को उस प्रॉपर्टी में कुछ अनियमितताएं मिली हों, जिसके चलते कार्रवाई हुई हो। अजय देवगन का एक बंगला मुंबई के जुहू इलाके की कपोल कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी ((जेवीएनपी स्कीम, एन एस रोड नंबर 11, प्लॉट एस-10) में 7,802 वर्ग फीट पर बना है। आरोप है कि बंगले में अंदरूनी बदलाव, पार्टीशन की दीवारें, खिड़कियां और अन्य निर्माण कार्य जरूरी अनुमति के बिना किए जा रहे थे। रिपोर्ट के अनुसार, BMC ने 10 सितंबर 2026 को मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 354A के तहत नोटिस जारी किया था। इसमें निर्माण कार्य तुरंत रोकने और संबंधित दस्तावेजों के साथ जरूरी अनुमतियां जमा करने का निर्देश दिया गया था। नगर निगम के मुताबिक नोटिस जारी होने के बाद भी निर्माण कार्य नहीं रुका। इसके बाद BMC ने बंगले में किए गए कुछ कथित अनधिकृत निर्माण को हटाने की कार्रवाई की। BMC की कार्रवाई की खबरों के बीच काजोल को जुहू बंगले के पास सर्बाजनिन दुर्गा पंडाल में स्पॉट किया गया है। सर्बाजनिन पंडाल में दुर्गा पूजा का आयोजन काजोल के मुखर्जी परिवार द्वारा हर साल किया जाता है। इसमें रानी मुखर्जी, तनीषा, अयान मुखर्जी समेत पूरा परिवार शामिल होता है। अमर उजाला की रिपोर्ट के अनुसार, इस मामले में विवाद की एक वजह अजय देवगन के बंगले का व्यावसायिक इस्तेमाल भी है। जानकारी के मुताबिक 10 अगस्त 2026 को देवगन परिवार ने जुहू स्थित बंगले को 'फ्लोरियन हुरेल सैलून्स प्राइवेट लिमिटेड' को 5 साल के लिए लीज पर दिया था। यह डील 10 करोड़ 61 लाख रुपए में हुई थी। शुरुआती मासिक किराया 16 लाख रुपए तय किया गया था।





रजनीकांत की फिल्मों के मशहूर संगीतकार देवा का निधन

दक्षिण भारतीय सिनेमा के दिग्गज संगीतकार देवा का शनिवार, 17 अक्टूबर को चेन्नई में निधन हो गया। वे 75 साल के थे। देवा ने सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्मों के मशहूर इंट्रो म्यूजिक को अपनी धुनों से खास पहचान दी थी। करीब चार दशक के करियर में उन्होंने तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषा की 400 से ज्यादा फिल्मों में संगीत दिया। उनके निधन से दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर है।

संगीतकार देवा को शनिवार सुबह सीने में दर्द की शिकायत के बाद चेन्नई के सूर्या हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे अस्पताल लाया गया, जहां उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया। डॉक्टरों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन उपचार के बावजूद 75 वर्षीय देवा को नहीं बचाया जा सका। वे उम्र से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं से भी जूझ रहे थे।

देवा का पूरा नाम देवनासन चोक्कालिंगम था। उन्हें तमिल फिल्म इंडस्ट्री में 'थेनिसाई थेंद्रल' के नाम से जाना जाता था। इस उपाधि का अर्थ है 'मधुर संगीत की बयार'। रजनीकांत की फिल्मों में सुपरस्टार के नाम के साथ बजने वाली मशहूर धुन को तैयार करने का श्रेय भी देवा को जाता है।साल 1992 में आई फिल्म 'अन्नामलाई' के संगीत ने रजनीकांत की स्क्रीन इमेज को एक नई पहचान दी। इसके बाद फिल्म 'बाशा' में भी देवा के संगीत ने उनके स्टारडम को और मजबूत किया। रजनीकांत की फिल्मों में इस्तेमाल होने वाली यह धुन दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय हुई।

पहले दिन रणबाली का बॉक्स ऑफिस पर धमाका

जेलर 2 की नाक के नीचे उड़ाया मोटा पैसा

नई दिल्ली। मोस्ट एंटीसिपेटेड पीरियड ड्रामा रणबाली (Ranabaali) सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को लेकर काफी बज था। अब पहले दिन इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कितनी कमाई कर ली है?

16 अक्टूबर को रणबाली बड़े पर्दे पर आई। इस फिल्म का क्लैश बॉलीवुड फिल्मों नई नवेली (Nayyi Navelli) और प्रहार (Prahaar) के साथ हुआ। यहां तक कि एक दिन पहले ही रजनीकांत की फिल्म जेलर 2 (Jailer 2) भी रिलीज हुई। ऐसे में रणबाली के लिए कॉम्पटीशन तगड़ा था। मगर इस तगड़े कॉम्पटीशन में रणबाली की जीत हुई। विजय देवरकोंडा की इस फिल्म ने पहले ही दिन नई नवेली और प्रहार को पछाड़ दिया है और बॉक्स ऑफिस पर धांसू ओपनिंग की है। सैकनिल्क के



मुताबिक, रणबाली ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 9.25 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 10.75 करोड़ रुपये हो गया है। भारत के अलावा रणबाली की कमाई विदेशों में भी खूब हुई है। इस फिल्म ने ओवरसीज मार्केट में 5.40 करोड़ रुपये का बिजनेस किया है। इस हिसाब से फिल्म का पहले दिन का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 16.15 करोड़ रुपये के करीब है। दूसरी ओर नई नवेली ने पहले दिन घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 3.5 करोड़ रुपये कमाए, जबकि दुनियाभर में कमाई 4.6 करोड़ के करीब है। दूसरी ओर राजकुमार राव की फिल्म प्रहार (Prahaar) की ओपनिंग 2.35 करोड़ रुपये के साथ हुई। इसने वर्ल्डवाइड 3.52 करोड़ रुपये कमाया है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बनी रणबाली में विजय देवरकोंडा, रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। 1870s में सेट फिल्म की कहानी एक विद्रोही योद्धा की है, जो दक्षिण भारत में भीषण अकाल के दौरान अपने क्षेत्र और लोगों की रक्षा करते हुए एक ब्रिटिश कमिश्नर का सामना करता है।

तीन सिंगर्स ने मिलकर गाया था ऐश्वर्या राय का गाना, उर्दू में लिखी गजल को गुलाम अली भी दे चुके आवाज

पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है ऐश्वर्या राय का ये कल्ट गाना

नई दिल्ली, एजेंसी

23 साल पहले जिस गाने में ऐश्वर्या राय (Aishwarya Rai) ने रोमांस किया था और जिसे गाने के लिए तीन दिग्गज सिंगर्स अलका याग्निक, उदित नारायण और कुमार सानू को साथ लाया गया था, वो गीत वास्तव में एक पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है।

70 और 80 के दशक में पाकिस्तानी सिंगर ने एक पाकिस्तानी कवि की उर्दू में लिखी हुई गजल गाई और वह इतनी पॉपुलर हुई की 46 साल पहले उस्ताद गुलाम अली (Ghulam Ali) ने भी गाया। बाद में इसी उर्दू गाने के बोल को हिंदी में बनाया गया और यह बॉलीवुड के सबसे रोमांटिक गानों की फेहरिस्त में शामिल हो गया।

गाने के बोल समीर अनजान ने लिखे थे, वहीं संगीत हिट संगीतकार की जोड़ी नदीम-श्रवण ने बनाया था। गाना सुपरहिट हुआ और 23 सालों से बॉलीवुड के कल्ट सॉन्गस में से एक है।

मगर शायद ही आपको मालूम हो कि यह गाना पाकिस्तानी गजल से प्रेरित है। IMDb के मुताबिक, 'दिल का रिश्ता' गाना पाकिस्तानी सिंगर तस्वर खानम के 'दिल में एक लहर से उठी है' (Dil Mein Ek Laher Si Uthi Hai) से लिया गया था। 'दिल में एक लहर से उठी है' एक उर्दू गजल है जिसे नसीर काजमी (Nasir Kazmi) ने लिखी है। तस्वर खानम के गजल के बाद उस्ताद गुलाम अली ने भी इस गीत को अपनी आवाज दी थी।





23 साल से हिट है बॉलीवुड सॉन्ग

2003 में रिलीज हुई फिल्म 'दिल का रिश्ता' में ऐश्वर्या राय, प्रियांशु चटर्जी और अर्जुन रामपाल मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म भले ही फ्लॉप रही हो, लेकिन इसके सभी गाने कल्ट बन गए थे। यह गाना टाइटल ट्रैक 'दिल का रिश्ता' है। यह गाना 2000s के दौर का सबसे सुपरहिट गाना है। यह दिल छू लेने वाले गाने को अलका याग्निक, कुमार सानू और उदित ने गाया था।

तीन सिंगर्स ने दी थी आवाज

दिलचस्प बात यह थी कि इस गीत को गाने के लिए तीन सिंगर्स कुमार सानू, उदित नारायण और अलका याग्निक को बुलाया गया। उस दौर में कुमार और उदित के बीच तगड़ा कॉम्पटीशन हुआ करता था क्योंकि दोनों ही 90s और 2000s के शुरू में अपने गीतों के लिए दिलों में बस गए थे। यह गाना था 'दिल का रिश्ता' (Dil Ka Rishta)।

विपक्षी नेता बोले- उन पर समझौता करने का दबाव, पूर्व पीएम पर करीब 200 मामले

नवाज की तरह इमरान खान पाकिस्तान छोड़ सकते हैं

दावा

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व PM इमरान खान भी पूर्व प्रधानमंत्रियों की तरह देश छोड़ सकते हैं। विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया।

अचकचई ने कहा-सरकार इमरान पर समझौते के लिए दबाव बना रही है। वे नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़कर जा सकते हैं।

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें 5 अगस्त 2023 को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं। अचकजई ने अपने दावे के समर्थन में पाकिस्तान के दो पूर्व प्रधानमंत्रियों नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो के पुराने मामलों का हवाला दिया।

नवाज शरीफः 1999 में तत्कालीन सेना प्रमुख परवेज मुशर्रफ ने सैन्य तख्तापलट कर नवाज सरकार को हटा दिया था। नवाज को जेल में डाल दिया गया। इसके बाद 2000 में सऊदी अरब और लेबनान के नेताओं की मध्यस्थता से हुए समझौते के तहत वे पाकिस्तान छोड़कर चले गए। समझौते की शर्तों के मुताबिक, नवाज को 10 साल तक पाकिस्तान से बाहर और राजनीति से दूर रहना था।

बेनजीर भुट्टोः 1997 में तत्कालीन राष्ट्रपति फारूक लेघारी ने बेनजीर को भ्रष्टाचार के आरोप में प्रधानमंत्री पद से हटा दिया था। इसके बाद 1997 के आम चुनाव में उन्हें हार मिली। इसके बाद बेनजीर भुट्टो ने देश छोड़ दिया। वह 9 साल तक ब्रिटेन और दुबई में रहीं। महमूद खान अचकजई की राजनीति में एंट्री 1973 में पिता की हत्या के बाद हुई। उनके पिता पश्तूनों के अधिकारों और अलग राजनीतिक पहचान के लिए संघर्ष करते थे।

अभी वे पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी (PKMAP) के अध्यक्ष हैं और संसद में विपक्षी पार्टी का नेतृत्व करते हैं। नब्बे के दशक में वे नवाज शरीफ की पार्टी के सहयोगी थे। 2014 में जब इमरान खान ने नवाज सरकार के खिलाफ धरना दिया, तब अचकजई ने नवाज का समर्थन किया था।

बाद में संविधान की रक्षा और विपक्षी एकजुटता के मुद्दे पर उनकी पार्टी इमरान के करीब आई। जनवरी 2026 में इमरान खान ने ही उन्हें नेशनल असेंबली में विपक्ष का नेता बनाने के लिए नाम आगे बढ़ाया।

अचकजई लंबे समय से पाकिस्तान में सेना के राजनीतिक दखल और सत्ता के केंद्रीकरण का विरोध करते रहे हैं।

> तोशाखाना पाकिस्तान सरकार का सरकारी भंडार है। यहां प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, मंत्री और दूसरे सरकारी अधिकारियों को विदेशों से मिले कीमती तोहफे जमा किए जाते हैं। इनमें घड़ियां, गहने, पेंटिंग जैसी चीजें शामिल होती हैं।

अगस्त 2023 से जेल में हैं इमरान

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें सबसे पहले तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा मिलने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं। बाद में सिफर और इद्दत निकाह मामलों में उन्हें अदालत से राहत मिल गई। तोशाखाना मामले में भी उनकी एक सजा रोक दी गई। इसके बावजूद दूसरे मामलों के चलते वह अभी जेल में हैं। इमरान खान और उनकी पार्टी PTI का कहना है कि 2022 में प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद उनके खिलाफ मामले राजनीतिक वजहों से दर्ज किए गए। उनका आरोप है कि उन्हें राजनीति और चुनाव से दूर रखने के लिए ऐसा किया गया। वहीं, पाकिस्तान सरकार और जांच एजेंसियां इन आरोपों को खारिज करती हैं और कहती हैं कि ये मामले कानूनी प्रक्रिया के तहत चल रहे हैं।

बांग्लादेशः कॉक्स बाजार के रिसॉर्ट में लगी भीषण आग

10 लोगों की मौत और 9 की हालत गंभीर

ढाका, एजेंसी



बांग्लादेश के मशहूर पर्यटन स्थल कॉक्स बाजार स्थित सी-साइड रिसॉर्ट में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में कम से कम 10 लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि 9 अन्य लोग घायल हो गए। उखिया पुलिस स्टेशन के प्रमुख मोहम्मद अतीकुर रहमान मजूमदार के अनुसार, यह हादसा इनानी क्षेत्र में मरीन ड्राइव पर पटुआरटेक बीच के पास स्थित टुपटुप रेस्टो एंड रिसॉर्ट में हुआ। आग सुबह करीब 6:30 बजे भड़की। फायर सर्विस के प्रवक्ता तल्हा बिन जासिम ने दोपहर करीब 1:30 बजे 10 लोगों की मौत और 9 लोगों के घायल होने की पुष्टि की। यह तीन मंजिला रिसॉर्ट मुख्य रूप से बांस और लकड़ी से तैयार किया गया था, जो कोलातोली से लगभग 29 किलोमीटर दूर स्थित है। ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग बेहद तेजी से फैली और उसने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। कॉक्स बाजार फायर सर्विस के उप सहायक निदेशक सैयद मुहम्मद मोशेंद हुसैन ने बताया कि आग की लपटों में रिसॉर्ट का पूरा ढांचा जलकर खाक हो गया है। हादसे के वक्त रिसॉर्ट में करीब 30 लोग मौजूद थे, जिनमें से केवल चार से पांच लोग ही जान बचाकर बाहर निकलने में सफल रहे। हादसे में घायल हुए 9 लोगों को कॉक्स बाजार सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर सबुक्तगिन महमूद सोहेल ने बताया कि झुलसे हुए 5 मरीजों का इलाज जारी है, जबकि गिरने से चोटिल हुए एक व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई।

फास्ट न्यूज

'बेटे ने किया मर्डर, चाकू घर ले गई मां'

लंदन। यूनाइटेड किंगडम से पिछले साल एक मामला सामने आया था, जिसमें भारतीय मूल के ब्रिटिश सिख ने साउथेम्प्टन में हेनरी नोवाक नाम के 18 साल के छात्र की हत्या कर दी थी। इस मामले में आरोपी की मां ने 53 वर्षीय किरण कौर ने बेटे के अपराध को छिपाने में मदद की थी। आरोपी की मां भारतीय है। इस मामले में अब जानकारी सामने आई है कि बेटे की मदद करने के लिए जेल गई महिला को भारत वापस भेजा जा सकता है।

भारत को सोने का नया सप्लायर मिल सकता है

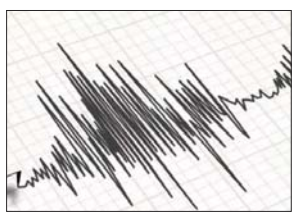
लंदन। ऑस्ट्रेलिया में सोने की नई खदानें तलाशने के लिए एक साल में रिकॉर्ड 13 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां दुनिया का सबसे बड़ा सोना भंडार है। ऐसे में आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया भारत के लिए सोने का नया सप्लायर बन सकता है। फिलहाल भारत अपनी जरूरत का ज्यादातर सोना आयात करता है, जबकि कुल आयात में ऑस्ट्रेलिया की हिस्सेदारी सिर्फ 2.27% है। पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में अकेले 10,625 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां सोने की तलाश के लिए ड्रिलिंग मशीनों की मांग भी तेजी से बढ़ रही है।

'खत्म हो गई संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता'

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत जीना रोमेरो के उन दावों को भारत ने पूरी तरह खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि देश में युवाओं को मानसिक स्वास्थ्य या लैंगिक न्याय पर बात करने के कारण बदले की कार्रवाई या कलंक का सामना करना पड़ता है। संयुक्त राष्ट्र में भारतीय राजनयिक अनुज स्वरूप ने कड़े शब्दों में जवाब देते हुए कहा कि ये आरोप गुमनाम और बिना पुष्टि किए गए बयानों पर आधारित हैं।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में लगे भूकंप के झटके

इस्लामाबाद, एजेंसी



पाकिस्तान में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए हैं। इसका असर भारत के भी कुछ हिस्सों तक महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.8 थी। भूकंप का केंद्र भी पाकिस्तान में ही था। आस-पास के कई जिलों में झटके महसूस किए गए, जिसके चलते लोग एहतियात के तौर पर अपने घरों और व्यावसायिक इमारतों से बाहर निकलकर खुली जगहों पर आ गए। आपातकालीन प्रबंधन टीमों ने प्रभावित क्षेत्रों के निवासियों को संभावित आफ्टरशॉक (भूकंप के बाद आने वाले झटकों) को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है, क्योंकि इस तीव्रता के भूकंप के बाद अक्सर ऐसे झटके आते हैं। प्रांतीय सरकार के अधिकारियों ने अभी तक बड़े पैमाने पर तबाही या लोगों के घायल होने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। जिले भर में आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों, चिकित्सा सुविधाओं और स्थानीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है, जबकि नुकसान का विस्तृत आकलन अभी भी जारी है। भूकंप विशेषज्ञों ने बताया कि पाकिस्तान जटिल और सक्रिय टेक्टोनिक सीमाओं पर स्थित है, जिसमें मुख्य रूप से भारतीय और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेटें शामिल हैं। इस भौगोलिक स्थिति के कारण, देश के बड़े हिस्से अक्सर होने वाली भूकंपीय गतिविधियों और जमीन की हलचल के प्रति अत्यधिक संवेदनशील हैं।

बोले- हमें फायदा, रूस से कर चुका डीजल खरीद डील, अमेरिका को 6 फायदे हो सकते हैं

ट्रम्प ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने वाला कानून रोका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के हित में है। प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

भारत अपनी जरूरत का 85% से ज्यादा कच्चा तेल दूसरे देशों से खरीदता है। अगस्त 2026 में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी करीब 45% थी।

भारत ने अगस्त में रूस से रोजाना औसतन 20.8 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा था। ऐसे में रूस से तेल खरीदने पर 100% तक टैरिफ लगने का खतरा भारत के लिए चिंता की वजह था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत तेल की उपलब्धता और दुनिया के हालात को देखकर अपनी ऊर्जा जरूरतें पूरी करने का फैसला करता है।

भारत पहले भी अमेरिकी अधिकारियों के सामने यह मुद्दा उठा चुका है। जानकारों का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही पर असर के बीच रूस से तेल की सप्लाई कम करना दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ा सकता है।

इसलिए अमेरिका के लिए रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाना आसान फैसला नहीं है। रूस को प्रतिबंधों से राहत देने का फैसला ट्रम्प ने ऐसे समय लिया है, जब अमेरिका में तेल की कीमतें बढ़ रही हैं। यूक्रेन के रूसी तेल रिफाइनरियों पर हमलों से तेल की सप्लाई प्रभावित हो रही है। इससे दुनिया में तेल महंगा हो रहा है। ट्रम्प चाहते हैं कि तेल की कीमतें कम हों, ताकि अमेरिका में पेट्रोल सस्ता हो सके।

ट्रम्प को 30 दिन के अंदर फैसला लेना था

ट्रम्प ने रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले बिल (लिंडसे ग्राहम एक्ट) पर 18 सितंबर 2026 को साइन किए थे। 16 सितंबर को हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने इसे 262-159 वोटों से मंजूरी दी थी। कानून पर साइन करने के बाद ट्रम्प को प्रतिबंध लगाने का फैसला 30 दिन के अंदर करना था। हालांकि, ट्रम्प ने इससे पहले ही प्रतिबंधों और टैरिफ पर छूट दे दी।

> इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे।

बिना क्लिक के डिवाइस में घुस सकता है मालवेयर, यूएन और नाटो के नेटवर्क तक पहुंच

इजराइली कंपनी के विज्ञापनों के जरिए जासूसी की कोशिश

जांच

नई दिल्ली, एजेंसी



टोरंटो यूनिवर्सिटी की सिटिजन लैब की जांच में खुलासा हुआ है कि इजराइली कंपनी डिस्कवर टेक के विज्ञापनों के जरिए मोबाइल और कंप्यूटर में जासूसी मालवेयर (एक तरह का सॉफ्टवेयर) पहुंचाने की कोशिश की गई।

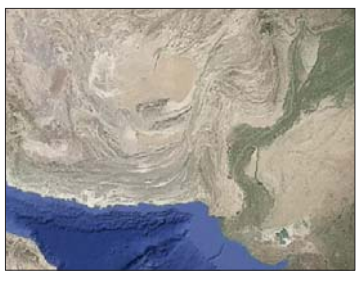
इसके लिए यूजर को विज्ञापन पर क्लिक करने की जरूरत भी नहीं थी। जांच में 1.20 लाख से ज्यादा वेबसाइटों और 75 हजार से ज्यादा ऐप पर ऐसे विज्ञापनों के रिकॉर्ड मिले। इनमें संयुक्त राष्ट्र (UN) और नाटो के नेटवर्क तक विज्ञापन पहुंचने की बात भी सामने आई है। रिकॉर्ड में भारत में इस्तेमाल होने वाले ट्रूकॉलर, एमएक्स प्लेयर और लूडो स्टार जैसे ऐप भी शामिल हैं। ये आंकड़े विज्ञापनों के रिकॉर्ड से जुड़े हैं। सीधे हैक हुए डिवाइस या जासूसी के शिकार यूजर्स की संख्या नहीं है। जांच में बीबीसी, न्यूयॉर्क टाइम्स, फॉक्स न्यूज, सीबीसी और याहू जैसी वेबसाइटों पर संदिग्ध विज्ञापन दिखने के रिकॉर्ड मिले। इनके अलावा अमेरिका के रक्षा विभाग, स्वीडन के सशस्त्र बलों और नॉर्वे की पुलिस के नेटवर्क तक भी विज्ञापन पहुंचे। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी और अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के नेटवर्क पर भी ऐसे विज्ञापन दिखे। कई देशों के सरकारी कार्यालयों और चुनावों की निगरानी करने वाली संस्थाओं के नेटवर्क भी इनके निशाने पर रहे।

> जांच में 'डार्क कार्टोग्राफर' नाम के एक अन्य समूह का भी पता चला। यह समूह विज्ञापनों के जरिए 30 से ज्यादा देशों में लोगों के मोबाइल नंबर पता लगाने की कोशिश कर रहा था।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया

सिंध में भी झटके महसूस हुए, इतनी ही तीव्रता का भूकंप फरवरी में भी आया था

बलूचिस्तान, एजेंसी



पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में शनिवार को 5.7 तीव्रता का भूकंप आया। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (USGS) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र खुझदार शहर से 48 किलोमीटर दूर था। इसी साल फरवरी में यहां इतनी ही तीव्रता का भूकंप आया था।

भूकंप के झटके सिंध में भी महसूस किए गए हैं। स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन टीमें खुझदार और आसपास के ग्रामीण इलाकों में नुकसान का आकलन कर रही हैं। जिले में राहत-बचाव दल, अस्पताल और पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। फिलहाल, भूकंप से जान-माल के नुकसान की कोई जानकारी सामने नहीं आई हैं। 5.7 तीव्रता का भूकंप काफी तेज होता है। इससे कमजोर और पुरानी इमारतों को नुकसान पहुंच सकता है। दीवारों में दरारें आ सकती हैं और कुछ इमारतों के हिस्से गिर सकते हैं। हालांकि, नुकसान कितना होगा, यह इमारतों की मजबूती पर भी निर्भर करता है। भूकंप से होने वाला नुकसान उसकी तीव्रता के अलावा जमीन के नीचे उसकी गहराई, केंद्र से दूरी और इमारतों की मजबूती पर भी निर्भर करता है। अगर भूकंप का केंद्र आबादी वाले इलाके के पास हो और वहां की इमारतें कमजोर हों, तो नुकसान ज्यादा हो सकता है। बलूचिस्तान में पहले भी खतरनाक भूकंप आ चुके हैं

बलूचिस्तान के क्वेटा में 1935 में 7.7 तीव्रता का विनाशकारी भूकंप आया था। इसमें करीब 35 हजार लोगों की मौत हुई थी।

वहीं, 1945 में मकरान तट के पास 8.1 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिससे समुद्र में सुनामी भी उठी थी। पाकिस्तान में अब तक के सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक 8 अक्टूबर 2005 को आया था। इसका केंद्र मुजफ्फराबाद के पास था। भूकंप में 74 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी।

विचार : वकील होने के दावे पर सवाल उठे, पहली ब्रीफिंग में जुबान लड़खड़ाई थी

ट्रम्प ने 5 दिन में ही प्रेस सेक्रेटरी को हटाया

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने अपनी नई प्रेस सेक्रेटरी केटी जकारिया को पद से हटा दिया है। जकारिया ने सोमवार को काम शुरू किया था और सिर्फ 5 दिन बाद, 16 अक्टूबर को उन्होंने पद छोड़ दिया।

व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने कहा कि जकारिया पद से हट रही हैं। ट्रम्प ने उनसे नौकरी पर दोबारा विचार करने को कहा था।

जकारिया के वकील होने की योग्यता पर सवाल उठे थे। इसके अलावा वे अपनी पहली प्रेस ब्रीफिंग सही से नहीं दे पाईं थीं। एक सवाल पर अपने पति को उन्होंने गलती से माय प्रेसिडेंट कह दिया था।

द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, प्रेस सेक्रेटरी के पद से हटने के पहले केटी जकारिया का उनके रिपोर्टर के साथ इंटरव्यू चल रहा था। तभी व्हाइट हाउस के एक वरिष्ठ सलाहकार उनके ऑफिस पहुंचे और बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस उनसे बात करना चाहते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने केटी जकारिया से कहा था कि उन्हें व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव की नौकरी छोड़ने पर विचार करना चाहिए। ट्रम्प ने यह भी कहा कि मीडिया ने केटी के साथ बहुत सख्ती की है और वह चाहते हैं कि केटी खुश रहें। केटी जकारिया ने 13 अक्टूबर को व्हाइट हाउस में पहली बार प्रेस ब्रीफिंग की थी जो 14 मिनट चली। उनके जवाबों की बहुत आलोचना हुई थी। जकारिया ने अपनी पहली ब्रीफिंग में राष्ट्रपति के कामों और उपलब्धियों का जिक्र बहुत ज्यादा किया। उन्होंने सिर्फ फॉक्स न्यूज, ब्राइटबार्ट और डेली मेल के पत्रकारों के सवालों के जवाब दिए। ब्रीफिंग के दौरान वह ज्यादातर समय लिखे हुए नोट्स पढ़ती नजर आईं।

जकारिया के पास वकालत का लाइसेंस नहीं मिला

ट्रम्प ने जकारिया को प्रेस सेक्रेटरी बनाने का ऐलान करते हुए कहा था कि उन्होंने पेपरडाइन यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। लेकिन उनके पास अमेरिका में वकालत का लाइसेंस होने का सबूत नहीं मिला।

गुरुवार को फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में जकारिया ने कहा कि उन्होंने वकालत की परीक्षा पास नहीं की है। अमेरिका में वकील बनने के लिए आमतौर पर परीक्षा पास कर लाइसेंस लेना जरूरी होता है।

जकारिया ने अंतरराष्ट्रीय कारोबारी कानून के क्षेत्र में काम करने की बात कही थी, लेकिन कानून की पढ़ाई करना और वकालत का लाइसेंस होना अलग-अलग बातें हैं। जकारिया इससे पहले ट्रम्प की सोशल मीडिया कंपनी ट्रम्प मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप में कम्युनिकेशन सलाहकार थीं। उनके लिंक्डइन प्रोफाइल के मुताबिक, उन्होंने जून 2026 में यह काम शुरू किया था। इससे पहले वह कुछ समय अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग में जनसंपर्क से जुड़ा काम भी कर चुकी थीं।

हूती विद्रोही यमन के रणनीतिक शहर ताइज के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी



अमेरिका-ईरान जंग की वजह से होर्मुज जैसे समुद्री रास्ते पहले से परेशानी झेल रहे हैं। वहीं अब इस कड़ी में दुनिया के अहम समुद्री मार्गों में एक बाब अल मंदेब जलजमरूमध्य पर भी संकट के बादल छा रहे हैं। ये संकट हूती विद्रोहियों के इसके नजदीक पहुंचे के कारण पैदा हुआ है। यमन के हूती विद्रोही ताइज (Taiz) पर अपनी पकड़ मजबूत करने में जुटे हैं। हूती दक्षिणी बंदरगाह शहर अदन तक आने जाने वाले रास्तों पर रुकावट पैदा कर रहे हैं। इस वजह से बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य की सुरक्षा एक बार सवालों के घेरे में है।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने ताइज के आसपास अपनी मजबूत पहुंच बना कर वहां पर अपनी मौजूदगी दर्ज करा रहे हैं। ताइज उनके लिए यमन के दक्षिणी इलाकों में एक बड़ा गढ़ है। सेना अपने खोए हुए इलाके को पाने कि कोशिश में संघर्ष कर रही है।

बता दें कि ताइज लंबे समय से सरकार के गढ़ रहा है जो हर तरफ से हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले इलाके से घिरा हुआ है। इसके बावजूद हूतियों ने अब तक यहां पर अपनी पकड़ मजबूत नहीं बना पाई थी लेकिन अब हालात बदल गए हैं। वहां उनकी स्थिति मजबूत हो गई है।

हूतियों ने अदन जाने वाली 200 किलोमीटर लंबी सड़क के कुछ हिस्सों पर अपना कब्जा जमा लिया है। इसमें अल-मिसराख और अल-तर्बाह के आसपास के इलाके शामिल हैं। अक्टूबर की शुरुआत से ही हूतियों ने शहर को चारों तरफ से घेर लिया था।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96